Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 08 June 2026 ● Year : 05 ● Issue : 143 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मध्यवर्ग वह प्राणी है, जो महंगाई पर दुखी भी रहता है और प्रतिष्ठा बचाने के लिए खर्च भी करता रहता है।

–शरद जोशी



Dia Mirza Says Parents Split...

योजना एवं विकास विभाग ने सभी विभागों से मांगी योजनाओं की विस्तृत रिपोर्ट

विकास प्राथमिकताओं को नीति आयोग की मीटिंग में रखेंगे हेमंत

प्रमुख विभागीय उपलब्धियों, नवाचारों और योजनाओं की प्रगति पर देनी है जानकारी

राज्य के समक्ष मौजूदा चुनौतियों व केंद्र से अपेक्षित सहयोग का उठाया जाएगा मुद्दा

- 11 जून को नई दिल्ली में गवर्निंग काउंसिल की होनी है 11वीं बैठक
- केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राज्यों की हिस्सेदारी के मामले पर भी रखा जाएगा पक्ष



PHOTON NEWS RANCHI : नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल यानी शासी निकाय की 11वीं बैठक 11 जून को नई दिल्ली में होगी। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड की विकास प्राथमिकताओं, राज्य के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा केंद्र से अपेक्षित सहयोग को प्रमुखता से उठाएंगे। बैठक की तैयारियों को लेकर योजना एवं विकास विभाग ने सभी विभागों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विभागों को अपनी प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों, योजनाओं की प्रगति तथा नीति आयोग के समक्ष रखे जाने योग्य विषयों की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है, ताकि मुख्यमंत्री के अभिभाषण को अंतिम रूप दिया जा सके।

निवेश आकर्षित करने की रणनीति पर चर्चा

सूत्रों के अनुसार, झारखंड सरकार बैठक में खनिज संपदा से समृद्ध राज्यों के लिए विशेष सहायता, आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विकास, सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार, ग्रामीण सड़क एवं आधारभूत संरचना निर्माण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, रोजगार सृजन तथा कौशल विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा सकती है। इसके अलावा राज्य में लंबे समय से लंबित केंद्रीय देयताओं, कोयला एवं खनिज रॉयल्टी से जुड़े विषयों, वन क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों तथा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राज्यों की हिस्सेदारी से संबंधित मुद्दों पर भी अपना पक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रख सकते हैं। बैठक में विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप राज्यों की भूमिका, निवेश आकर्षित करने की रणनीति, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा सुशासन एवं जन शिकायत निवारण प्रणाली को और प्रभावी बनाने जैसे विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है। झारखंड सरकार का प्रयास है कि नीति आयोग के मंच पर राज्य की विकास संबंधी जरूरतों और उपलब्धियों को मजबूती से रखा जाए, ताकि विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र से अपेक्षित सहयोग और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

तीन महीनों के अंदर कीमतों में 89 रुपये का हुआ इजाफा

29 रुपये फिर बढ़ गया घरेलू गैस सिलेंडर का दाम, लागू हुईं नई दरें

7 मार्च को 60 रुपये बढ़ाई गई थी कीमत



रांची में अब ₹999. 50 रुपये में मिल रहा 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर

NEW DELHI @ PTI : घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपये और महंगा हो गया है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। रांची में अब 14.2 किलो वाला घरेलू गैस सिलेंडर ₹999. 50 रुपये में मिल रहा है। दिल्ली में यह 913 से बढ़कर 942 का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपये महंगा हो गया है। तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है।

SARAFA

सोना	:	14,150
चांदी	:	270.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मोबाइल टावर से टकराते टकराते बचा विमान

LOHARDAGA : रविवार को लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में दोपहर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब आसमान में उड़ रहा एक प्लेन काफी नीचे डगमगाते हुए उड़ता नजर आया। इस अजीबोगरीब और डरावने नजारे को देखकर स्थानीय लोगों में दहशत और भय का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रखंड के उदरंगी गांव में यह विमान जमीन से महज 40 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। हवा में लगातार हिलते-डोलते और संतुलन खोते इस विमान को देखकर लोगों की सांसें अटक गईं। स्थिति इतनी भयावह थी कि चार्टर्ड प्लेन आसमान में उड़ान के दौरान गांव में एक बड़े पेड़ से टकराने से बाल-बाल बचा। इसके बाद जब विमान भंडरा मुख्यालय की ओर बढ़ा तो वहां पर भी स्थित जियो मोबाइल टावर के बेहद करीब और नीचे से होकर गुजरा।

जहरीली गैस की चपेट में आकर चार की मौत

SURAT : रविवार को गुजरात के सूरत शहर के खांड बाजार क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। यहां की चौयार्सी डेयरी के पास स्थित रतिह ज्वेलर्स में अंडरग्राउंड ईटीपी(इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) की टंकी की सफाई करने उतरे चार श्रमिकों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान निमेष विट्ठलभाई सावलिया (26 वर्ष) सुपरवाइजर, विकास कुमार संतोषभाई सोनावणे (24 वर्ष), विजय भीखाभाई आहिरे (24 वर्ष),योगेश नानाभाई जादव के रूप में हुई है।

वैभव के साथ माता-पिता जाएंगे इंग्लैंड-आयरलैंड

NEW DELHI : 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के माता-पिता भी इंग्लैंड और आयरलैंड जाएंगे। बीसीसीआई ने वैभव के माता-पिता को टीम के साथ यात्रा करने को कहा है। बोर्ड का कहना है कि इससे वह सीनियर टीम के माहौल में आसानी से ढल जाएंगे। वैभव पहली बार किसी सीनियर नेशनल टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी भी बन सकते हैं।

रास चुनाव : सीएम आवास पर भूपेश बघेल व हेमंत सोरेन ने किया मंथन

'इंडिया' के दोनों प्रत्याशियों को जिताने की बनी रणनीति

आज नॉमिनेशन फाइल करेंगे झामुमो प्रत्याशी बैजनाथ राम और कांग्रेस के प्रणव झा

- चुनाव की तैयारी और गठबंधन में घटक दलों के विधायकों की एकजुटता पर हुई चर्चा
- एनडीए की ओर से किसी प्रत्याशी के नाम का नहीं किया गया है खुलासा
- दो से अधिक प्रत्याशियों के मैदान में होने पर 18 जून को होगी वोटिंग
- बैजनाथ राम और प्रणव झा के अलावा गौरव वल्लभ, परिमल नाथवाणी और विजय साईं रेड्डी ने भी खरीदा है पर्चा



PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने राज्य के पूर्व मंत्री बैजनाथ राम को अपना कैंडिडेट बनाया है, तो कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। इस बीच रविवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस की ओर से राज्यसभा चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर हेमंत सोरेन से मुलाकात की। बैठक में 'इंडिया' गठबंधन के दोनों प्रत्याशियों को जितने की रणनीति पर सहमति बनी। राज्यसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में गठबंधन की चुनावी रणनीति, सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर गंभीर मंथन हुआ। नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में गठबंधन की दोनों प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए संभावित चुनौतियों और अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया।

चुनाव को रोचक बनाएगा तीसरा उम्मीदवार

नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की ओर से खुले रूप में किसी प्रत्याशी की घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस और झामुमो के प्रत्याशियों के अलावा शनिवार को तीन और लोगों ने पर्चा खरीद कर चुनाव की स्थिति को रोचक बना दिया है। अगर दो से अधिक कैंडिडेट मैदान में होते हैं, तो 18 जून को वोटिंग होगी। जिन अन्य तीन लोगों ने पर्चा खरीदा है, वे हैं- भाजपा के वरिष्ठ नेता और अर्थशास्त्री गौरव वल्लभ, झारखंड से दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे जाने-माने उद्योगपति परिमल नाथवाणी और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के महासचिव रह चुके और जाने-माने चार्टर्ड अकाउंटेंट विजय साईं रेड्डी। झामुमो और कांग्रेस के प्रत्याशी नामांकन के अंतिम दिन 8 जून को नॉमिनेशन फाइल करेंगे। 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 11 जून तक नाम वापस लिए जा सकते हैं।

सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर आगे बढ़ने पर विशेष ध्यान

बैठक के दौरान चुनावी तैयारियों की समीक्षा करते हुए आगे की रणनीति को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। नेताओं ने गठबंधन के सभी घटक दलों के बीच तालमेल को और मजबूत बनाने तथा चुनावी प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप साझा रणनीति तैयार करने पर भी सहमति बनी। बैठक में चुनावी गणित, विधायकों के बीच समन्वय और संगठनात्मक तैयारियों जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। राज्यसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के भीतर एकजुटता बनाए रखने और सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर विशेष ध्यान दिया गया।

पर्यावरणीय मंजूरी के लिए रिपोर्ट में हेरफेर

पत्थर खनन घोटाले में 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

महालेखाकार कार्यालय की ऑडिट जांच में उजागर हुआ फर्जीवाड़ा

PHOTON NEWS PAKUR : पाकुड़ जिले में पत्थर खनन से जुड़े एक बड़े कथित फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। पर्यावरणीय मंजूरी हासिल करने के लिए दस्तावेजों में हेराफेरी का आरोप लगा है। यह मामला वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान महालेखाकार कार्यालय की ऑडिट जांच में उजागर हुआ। जांच के दौरान खनन से संबंधित फाइलों की पड़ताल में जिला खनन कार्यालय द्वारा जारी रिपोर्ट और परिवेश पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों के बीच स्पष्ट अंतर पाया गया। इसके बाद मामले की विस्तृत जांच शुरू की गई, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। खनन विभाग की जांच में यह सामने आया कि कुछ खदानों के आसपास के कुल क्षेत्रफल को मूल रिपोर्ट की तुलना में कम दर्शाया गया था। पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया में खदान का वास्तविक रकबा एक अहम मानदंड होता है। मामले में जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुमार के लिखित आवेदन पर नगर थाना में कांड संख्या 123/2026 के तहत 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें नौ पूर्व खनन पट्टाधारी और चार नए आवेदक शामिल हैं।

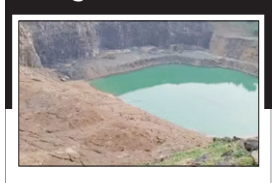

वापस ले ली गईं स्वीकृतियां

थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि जांच प्रारंभिक चरण में है। यह पता लगाया जा रहा है कि रिपोर्ट में बदलाव कब, कैसे और किन स्तरों पर किया गया। खनन विभाग की फाइलों, पोर्टल रिकॉर्ड और डिजिटल ट्रेल की गहन जांच की जा रही है। जांच में जब मूल दस्तावेजों और अपलोड रिपोर्ट के बीच विसंगतियां सामने आईं, तो मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित पर्यावरणीय स्वीकृतियां वापस ले ली गईं। इसके साथ ही कई खनन पट्टों को भी रद्द कर दिया गया।

हमला कर सीजफायर तोड़ने का आरोप

ईरान-अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते में फंस गया पेंच

NEW DELHI @ PTI : रविवार को ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। ईरानी फॉरेन मिनिस्ट्री का कहना है कि अमेरिका तनाव कम करने के बजाय अपनी सैन्य कार्रवाई से पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल रहा है। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका ने सीरिक क्षेत्र और केश्म द्वीप पर ईरान के तटीय रडार और निगरानी केंद्रों पर हमला किया, जो सीजफायर का साफ उल्लंघन है। ईरान ने कहा कि इन हमलों के बाद जो भी हालात पैदा होंगे और उसके जो भी नतीजे होंगे, उनकी पूरी जिम्मेदारी अमेरिका की होगी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौता ईरान की 24 अरब डॉलर (करीब ₹2.29 लाख करोड़) की फ्रीज संपत्ति जारी होने पर टिका है।

तनाव कम करने के बजाय सुरक्षा को खतरे में डाल रहीं अमेरिकी सैन्य गतिविधियां

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मारकर हत्या

NEW DELHI : अमेरिका के फिलाडेल्फिया शहर में तेलंगाना के 28 साल के भारतीय युवक अंशुल कुंचा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिवार का आरोप है कि यह कोई लूटपाट नहीं बल्कि पहले से रची गई साजिश थी। उनका कहना है कि अंशुल को एक फेक पिज्जा ऑर्डर देकर सुनसान इलाके में बुलाया गया और वहां पहुंचते ही हमलावरों ने उनके सिर में गोलियां मार दीं। शनिवार देर रात उन्हें फिलाडेल्फिया के रेमंड रोसेन होम्स नामक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के एक पते पर पिज्जा पहुंचाने का ऑर्डर मिला। जब वह वहां पहुंचे तो वहां कोई ग्राहक मौजूद नहीं था। इसी दौरान दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया और उनके सिर में कई गोलियां मार दीं। हमलावर वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।

परिचयात्मक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के सशक्तीकरण का दिया मंत्र

समर्पित कार्यकर्ता सबसे बड़ी ताकत : नितिन नबीन

विकसित भारत और विकसित झारखंड के संकल्प को साकार करने में निभाएं भूमिका



संवाद, समन्वय और सामूहिक नेतृत्व पर बल

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी, पूरा होगा जब झारखंड भी विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं को जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाना होगा। उन्होंने संगठन में संवाद, समन्वय और सामूहिक नेतृत्व की भावना को मजबूत करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक गतिविधियों और रणनीतियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। इससे पहले नितिन नबीन नेआदित्य साहू के पैतृक आवास पर अल्पाहार किया और उनके परिवारजनों से मुलाकात की।

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन झारखंड प्रवास के दूसरे दिन प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के ओरमांझी स्थित कुच्चू आवास पर हुई परिचयात्मक बैठक में शामिल हुए। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठन के सशक्तीकरण का मंत्र दिया। कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। विकसित झारखंड तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान नितिन नबीन ने वरिष्ठ नेताओं, पूर्व जनप्रतिनिधियों, चुनावी प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद करते हुए संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी राजनीतिक चुनौतियों और पार्टी विस्तार की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठन जितना मजबूत होगा, जनता के बीच पार्टी की स्वीकार्यता और प्रभाव उतना ही बढ़ेगा।

न्यू रिसर्च स्थायी रूप से मानव उपस्थिति के लिए तैयार किया जा रहा आधार

चंद्रमा की मिट्टी से ऑक्सीजन निकालने की ओर बढ़ा स्पेस साइंस

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : स्पेस साइंस यानी अंतरिक्ष विज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, हमारे सौरमंडल में पृथ्वी ही एकमात्र जीवनदायी ग्रह है। चंद्रमा पृथ्वी का उपग्रह है। यह पृथ्वी की परिक्रमा करता है, ठीक वैसे ही जैसे पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। पृथ्वी और चंद्रमा की गति के अनुसार सूर्य का पोजिशन बदलता दिखता है, मगर सूर्य की दिशा में कोई बदलाव नहीं आता है। पिछले कई दशकों से अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रमा पर निवास और अन्य ग्रहों पर भी जीवन की संभावना की तलाश के लिए रिसर्च कर रहे हैं। इस दृष्टि से मंगल ग्रह को सर्वाधिक महत्वपूर्ण समझ गया है, इसलिए अमेरिका, चीन, जापान और भारत जैसे देश अपने मंगल मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले लंबे समय से हो रहे रिसर्च को लेकर यह महत्वपूर्ण जानकारी हाल में ही सामने आई है कि अब वैज्ञानिक चंद्रमा की मिट्टी से ऑक्सीजन निकालने की दिशा में काम कर रहे हैं। विशेष अध्ययन में यह बताया गया है कि अमेरिका और चीन के बीच चंद्रमा तक पहुंचने की नई होड़ अब अलग दिशा की ओर जा रही है। अब उद्देश्य केवल वहां उतरकर लौट आना नहीं, बल्कि स्थायी मानव उपस्थिति के लिए आधार तैयार करना है।

भविष्य में मंगल ग्रह सहित अन्य कठिन अभियानों को आगे बढ़ाना होगा संभव

जरूरी तकनीकों के परीक्षण स्थल के रूप में मून के सरफेस का होगा इस्तेमाल

- संसाधनों के लिए पृथ्वी से भेजी जाने वाली सामग्री का भार किया जा सकेगा कम
- फ्रांस की यूनिवर्सिटी ऑफ परपिग्नान के वैज्ञानिकों व अन्य विशेषज्ञों ने किया अध्ययन



पानी, रॉकेट ईंधन या निर्माण सामग्री को बनाने की डेवलप की जा रही टेक्नोलॉजी

तकनीक की सहायता से आसान बनेगा परीक्षण

फ्रांस की यूनिवर्सिटी ऑफ परपिग्नान के अंतरिक्ष वैज्ञानिक जैक रॉबिनॉट और फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के वैज्ञानिक एलेक्सिस पाइलेट, स्टीफन एब्राडेस व सिल्वैन रोडेट के अनुसार, चंद्रमा को अब ऐसी तकनीकों के परीक्षण स्थल के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य में मंगल ग्रह सहित दूरस्थ अंतरिक्ष अभियानों को संभव बना सकें।

मानव गतिविधियों के लिए आवश्यक वस्तुएं

वैज्ञानिकों ने बताया है कि इन प्रमुख तकनीकों में से एक 'इन-सिटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन' (आईएसआरयू) है, जिसमें किसी स्थान पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग वहीं मानव गतिविधियों के लिए आवश्यक वस्तुएं तैयार करने में किया जाता है। इनमें ऑक्सीजन, पानी, रॉकेट ईंधन या निर्माण सामग्री शामिल हैं। इन आवश्यक संसाधनों का उत्पादन सीधे मून के सरफेस पर करने से पृथ्वी से भेजे जाने वाली सामग्री का भार काफी कम किया जा सकेगा, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण की लॉजिस्टिक और वित्तीय लागत में कमी आएगी। वैज्ञानिकों के अनुसार, आईएसआरयू के जरिए ऑक्सीजन, पानी, रॉकेट ईंधन और निर्माण सामग्री जैसी आवश्यक चीजें सीधे चंद्रमा पर तैयार की जा सकती हैं। पृथ्वी से ये संसाधन भेजने के बजाय लक्ष्य यह सीखना है कि चंद्रमा पर कैसे रहा जाए।

एपीडा की पहल से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक मिली पहुंच

सिमडेगा के महिला किसान उत्पादक समूह के आम्रपाली आम भेजे गए लंदन



PHOTON NEWS RANCHI : सिमडेगा जिले में महिलाओं द्वारा संचालित किसान उत्पादक समूह के आम्रपाली आमों की पहली वाणिज्यिक खेप केंद्र सरकार ने इंग्लैंड भेजी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की पहल से 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम लंदन निर्यात किए गए हैं। इससे महिला किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है। आमों की इस पहली खेप को चार जून को कोलकाता से रवाना किया गया था। खेप में शामिल आम सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित महिलाओं द्वारा संचालित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से लिए गए। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम क्षेत्र में गुणवत्ता आधारित उत्पादन, बेहतर फसलोत्तर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम अब यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। एपीडा के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है।

BRIEF NEWS

चक्रधरपुर में हुआ 65 यूनिट रक्त संग्रह



CHAIBASA : चक्रधरपुर नगर परिषद के कार्यालय परिसर में रविवार को सुमिता होता फाउंडेशन ले रक्तदान शिविर लगाया, जिसमें 65 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव व उपाध्यक्ष विजय कुमार साव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में शुगर व ब्लड प्रेशर की निःशुल्क जांच की गई। इसके साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड और डिजिटल हेल्थ के लिए आभा कार्ड भी बनाए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल योजना की भी जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि इस योजना के तहत अनाथ बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 4000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष सदानंद होता, वार्ड पार्षद सपन कुमार मिस्त्री, कुमार विवेक, शेषनारायण लाल, विक्की मंगल, रवि मंडल आदि का भी योगदान रहा।

धतकीडीह में सम्मानित किए गए निर्धन मेधावी छात्र



JAMSHEDPUR : धतकीडीह कम्युनिटी सेंटर में रविवार को जागो संगठन, जागो युवा विंग तथा टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से मुखी समाज के करीब 150 निर्धन एवं होनहार बच्चों को सम्मानित किया गया। मैट्रिक, इंटर व ग्रेजुएशन की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वालों के अलावा 10 बच्चों को समाज भूषण अवार्ड दिया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्रोफेसर असलम मल्लिक, विशिष्ट अतिथि के रूप में ठक्कर बापा मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज कुमार, सरायकेला बोस्टोम साई स्कूल के सहायक आचार्य सलमा मुखी, समाजसेवी पुनीता मुखी, शंभू डुंगरी, लक्ष्मण मुखी, लखिंदर कारूवा, सुरज मुखी, ब्रजेश मुखी, विकास मुखी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश मुखी ने दिया, जबकि संचालन रवि मुखी व धीरज मुखी ने किया। इस दौरान सलमा मुखी व हेमंत मुखी को समाज रत्न अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन के अध्यक्ष सुमंत मुखी, महासचिव जोलेश मुखी, संतोष मुखी, कुमकुम मुखी, मुन्ना मुखी, सावन मुखी, धीरज मुखी, श्रवण मुखी, स्वयं मुखी आदि सक्रिय रहे।

कुएं से मिलीं चार बोरियां, जानवरों के अवशेष बरामद



DHANBAD : धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर पंचायत स्थित डांगापाड़ा गांव में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कुएं से तेज दुर्गंध आने की सूचना पर जांच की गई। कुएं के अंदर चार संदिग्ध बोरियां मिलीं, जिन्हें बाहर निकालने पर उनमें जानवरों के अवशेष पाए गए। घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस ने सभी बोरियों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और अवशेषों की पहचान के लिए आवश्यक परीक्षण कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार डांगापाड़ा निवासी बादल रविदास के नीलकुठी मोड़ के पास स्थित आम बागान में एक कुआं है। रविवार सुबह कुएं की ओर से तेज दुर्गंध आने लगी। बदबू का कारण जानने के लिए जब बादल रविदास वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कुएं के अंदर चार बोरियां पड़ी हुई हैं, जिनसे दुर्गंध निकल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने तुरंत इसकी सूचना निरसा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कुएं से चारों बोरियों को बाहर निकलवाया। बोरियों को खोलने पर उनमें जानवरों के अवशेष मिले। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ लोगों ने आशंका जताई कि बरामद अवशेष प्रतिबंधित मांस या किसी प्रतिबंधित जानवर के हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने ऐसी किसी भी आशंका की पुष्टि करने से इनकार करते हुए कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा।

दमदमी में युवक की मौत मामले में संचालक समेत 3 पर प्राथमिकी

जिला प्रशासन की जांच में सामने आई प्रबंधन की लापरवाही

PHOTON NEWS PALAMU : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के दमदमी खनन क्षेत्र में बने पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबकर 24 वर्षीय युवक लवकुश कुमार की मौत के मामले ने अब कानूनी रूप ले लिया है। प्रशासनिक जांच के बाद माइंस संचालक समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आरोप है कि खनन क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की गई, जिसके कारण एक युवक की जान चली गई। अंचल अधिकारी पंकज कुमार के आवेदन पर हुसैनाबाद थाना में मामला दर्ज किया गया। मामले में दमदमी माइंस से जुड़े सुनील कुमार सिंह, लोकेश कुमार सिंह तथा एक अन्य जिम्मेदार व्यक्ति को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी के अनुसार, खनन कार्य के बाद बने गहरे गड्ढों को सुरक्षित नहीं किया गया था। न तो वहां पर्याप्त घेराबंदी थी और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे। आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए भी कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई थी। प्रशासनिक जांच में पाया गया कि जिस स्थान पर लवकुश कुमार डूबा, वह खनन गतिविधियों के कारण बना गहरा गड्ढा था। जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि खनन पट्टा धारकों और संचालकों की जिम्मेदारी होती है कि ऐसे खतरनाक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। लेकिन कथित लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।



माइंस के तालाब के पास जुटे लोग

3 जून को हुई थी घटना

गौरतलब है कि 3 जून को सोहेया पहाड़ स्थित खनन क्षेत्र में बने गहरे गड्ढे में डूबने से लवकुश कुमार की मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों का आक्रोश फूट पड़ा था। ग्रामीणों और परिजनों ने खनन कंपनी की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार बताते हुए मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।



मौसी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अपनी मौसी के श्राद्धकर्म में शामिल हुए नितिन नबीन

BOKARO : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन रविवार को बोकारो पहुंचे। यहां वे सेक्टर-4 स्थित सिटी सेंटर में अपनी मौसी शोभा रानी लाल के श्राद्धकर्म में शामिल हुए। इससे पहले रांची से बोकारो आने के क्रम में भाजपा नेताओं व कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। बोकारो में नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर भाजपा के तमाम नेताओं और कार्यकताओं ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में यह उनका पहला बोकारो दौरा था। इसे लेकर भाजपा के कार्यकताओं में काफी उत्साह देखा गया। इस दौरान स्थानीय पत्रकारों के सवालों पर कोई भी राजनीतिक बयान देने से मना कर दिया। इस दौरान नितिन नबीन सभी कार्यकताओं से गाड़ी से उतरकर बारी-बारी मिले। इस दौरान कार्यकताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के बोकारो आने से यहां के कार्यकताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले वह यहां 15 दिनों के प्रवास पर रह चुके हैं। ऐसे में उन्हें जातिगत समीकरण से लेकर मजबूती और कमजोरी की जानकारी है। सभी ने दावा किया कि आने वाले समय में झारखंड के साथ बोकारो में भी भाजपा बेहतर प्रदर्शन करेगी। यहां बता दें कि नितिन नबीन शनिवार को अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे थे।

गढ़वा में निजी अस्पताल को किया सील, नहीं थे डॉक्टर

GARHWA : जिला प्रशासन ने रविवार को कचहरी रोड स्थित एक निजी अस्पताल को सील कर दिया। यह कार्रवाई तब हुई, जब एसडीओ संजय कुमार और सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ केनेडी के संयुक्त औचक निरीक्षण में अस्पताल बिना चिकित्सक के चलता हुआ मिला। प्रशासन को सूचना मिली थी कि अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई है। इसी सूचना के सत्यापन के लिए एसडीओ और सिविल सर्जन अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान संबंधित मरीज तो नहीं मिला, लेकिन अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। जांच में पता चला कि अस्पताल में मरीजों का इलाज चिकित्सकों के बजाय कंपाउंडरों और तकनीशियनों के भरोसे किया जा रहा था। सिविल सर्जन ने बताया कि निजी अस्पताल में कार्यरत बताए जा रहे चिकित्सकों ने पहले ही सिविल सर्जन कार्यालय को लिखित रूप से सूचित किया था कि वे वहां कार्यरत नहीं हैं। इसके बावजूद अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी तथा पैथोलॉजी जैसी सेवाएं जारी थीं। चिकित्सकों की अनुपस्थिति और अनियमितताओं को देखते हुए अस्पताल को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया गया। बताया जाता है कि यह अस्पताल पहले भी कई बार विवादों में आ चुका है।



अस्पताल के बाहर पुलिस के जवान

पटमदा में कार दुर्घटना के बाद हुआ बवाल, चालक व साथी की पिटाई

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा थाना क्षेत्र के लोवाडीह गांव में रविवार को एक सड़क दुर्घटना के बाद तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। अनियंत्रित होकर एक जनरल स्टोर में घुसी कार के बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने कार चालक तथा उसके साथी की पिटाई कर दी। हालात इतने बिगड़ गए कि मौके पर पहुंची पुलिस को भी आक्रोशित ग्रामीणों के विरोध और धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ा। घटना में कार चालक सहित दो लोग घायल हो गए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परसुडीह के प्रमथनगर निवासी 25 वर्षीय अरूप भंडारी अपने पड़ोसी 39 वर्षीय सुमित सिंह के साथ कार से जमशेदपुर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में लावजोड़ा हाथीखेदा मंदिर के समीप उनकी कार की टक्कर एक बाइक से हो गई थी। इस घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की स्थिति भी उत्पन्न हुई थी। हालांकि इस संबंध में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

वहां से आगे बढ़ने के बाद कार लोवाडीह गांव पहुंची, जहां चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रही कार पहले सड़क किनारे लगे एक खंभे से टकराई और उसके बाद सीधे सुकु महतो की जनरल स्टोर में जा घुसी। हादसा इतना अचानक हुआ कि दुकान में मौजूद लोग संभल नहीं सके। सौभाग्य से दुकानदार और दुकान के आसपास खेल रहे दो बच्चे समय रहते हट गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने कार में सवार अरूप भंडारी और सुमित सिंह को बाहर निकाल लिया और उनकी पिटाई कर दी। स्थानीय लोगों का आरोप था कि कार चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके कारण दुर्घटना हुई। मारपीट और दुर्घटना के दौरान अरूप भंडारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं, जबकि सुमित सिंह भी घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पटमदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों का गुस्सा इतना अधिक था कि उन्होंने घायलों को तत्काल पुलिस के हवाले करने से इनकार कर दिया।



घटनास्थल पर दुकान में घुसी कार

काव्य कलश में याद किए गए सुप्रसिद्ध कवि बाबा नागार्जुन

PHOTON NEWS JSR: सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में रविवार को मासिक काव्य कलश सह हिंदी के ख्यातिलब्ध साहित्यकार बाबा नागार्जुन की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपाध्यक्ष रामनंदन प्रसाद तथा संचालन साहित्य समिति के उपाध्यक्ष अशोक पाठक स्नेही ने की। धन्यवाद ज्ञापन साहित्य समिति के सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि स्वरूप रांची से पधारे आरएसएस के कुटुंब प्रबोधन प्रमुख सकलदेव चौरसिया ने परिवार संस्था की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं उसे मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। सरस्वती वंदना माधवी उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। स्वागत वक्तव्य मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने दिया। तत्पश्चात साहित्यकार नागार्जुन के साहित्यिक जीवन परिचय सुरेश चंद्र झा ने विस्तार से प्रस्तुत किया। तत्पश्चात काव्य कलश में शहर के जिन 35 कलमकारों ने स्वरचित काव्यपाठ किया, उनमें डॉ. यमुना तिवारी व्यथित, नीलिमा पांडेय, ब्रजेंद्रनाथ मिश्र, माधवी उपाध्याय, कैलाशनाथ शर्मा गाजीपुरी, राजेंद्र साह राज, जितेश तिवारी, ममता कर्ण मनस्वी, वसंत जमशेदपुरी, नीता सागर चौधरी, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, मनीष सिंह वंदन, हरभजन सिंह रहबर, बलविंदर सिंह, रीना गुप्ता श्रुति, पूनम सिंह, रीना सिन्हा सलोनी, आलोक मंजरी, राजेंद्र राज, मनीष सिंह वंदन, डॉ. अरुण कुमार शर्मा, शेषनाथ सिंह शरद, हरिहर राय चौहान, शिवनंदन सिंह, माधुरी मिश्र, नंदा पांडेय, हरिकिशन चावला, विजय नारायण सिंह बेरुका, नीलम पेड़ीवाल, उषा झा, क्षमा दूबे, आलोक तिवारी, जयप्रकाश पांडेय, रितेश मिश्र, नीतिश मिश्र, सुजय कुमार एवं अन्य प्रमुख रहे। इस मौके पर प्रसन्न वदन मेहता की उपस्थिति सराहनीय रही।



कार्यक्रम में उपस्थित शहर के साहित्यकार ● फोटोन न्यूज

सोमर भुइयां को जिला पुलिस से मिली सहायता

LATEHAR : अभाव और बेबसी से जूझ रहे सोमर भुइयां को एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को सोमर भुइयां को मदद पहुंचाई। सदर प्रखंड के इचाक पंचायत अंतर्गत लवरपुर गांव के निवासी सोमर भुइयां दयनीय परिस्थिति में रह रहे थे। उन्हें सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला था। रहने के लिए ढंग का घर भी नहीं है। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ संदीप कुमार गुप्ता और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिन्हा के साथ आई पुलिस टीम जब सोमर भुइयां के घर पहुंची, तो हालत देखकर चिंतित हो गए। जर्जर शौचालय में रह रहे सोमर के पास न खाने को कुछ था, ना कोई अन्य सुविधा थी। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत उन्हें तत्काल जरूरी सहायता उपलब्ध कराई गई। उन्होंने पीड़ित की समस्याओं को विस्तार से समझा और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। एसडीपीओ ने बताया कि सोमर भुइयां को दैनिक उपयोग के सामान दिए गए हैं। कुछ आर्थिक मदद भी की गई है। इनके लिए एक घर की व्यवस्था भी जल्द कराई जाएगी।

सड़क किनारे साइन बोर्ड से टकराई बाइक, युवक की मौत

KHUNTI : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र स्थित कारो नदी के समीप रविवार सुबह हई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान डोड़मा चंद्रपुर निवासी 22 वर्षीय अनीस हेमरोम के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अनीस हेमरोम रविवार सुबह करीब 10 बजे अपाची मोटरसाइकिल से कोटेंगसेरा से मरचा की ओर जा रहा था। इसी दौरान कारो नदी के पास उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक बाइक से उछलकर दूर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे के बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने के कारण अनीस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।



दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना तोरपा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार, अनीस हेमरोम अपने मित्र प्रेम होरो की अपाची मोटरसाइकिल लेकर किसी कार्य से जा रहा था। बताया जाता है कि वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था।

जिज्ञासा प. बंगाल के बीरभूम जिले के शिवड़ी स्थित इंडियन सेंटर फॉर स्पेस फिजिक्स से छोड़ा गया था

देवघर में आसमान से गिरा पैराशूट जैसा गुब्बारा, देखने उमड़ी भीड़

PHOTON NEWS DEOGHAR : देवघर जिले के करौं स्थित प्रखंड मुख्यालय के पास शनिवार को बाराटाड़ गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आसमान से एक पैराशूट जैसा गुब्बारा अचानक जमीन पर गिर गया। अज्ञात वस्तु के गिरने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। कई लोगों ने इसे रहस्यमयी वस्तु समझा, जिससे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। अंचलाधिकारी ऋषि राज, थाना प्रभारी दीपक किशोर भारती समेत अन्य अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वस्तु की जांच की। अधिकारियों ने ग्रामीणों से संयम बरतने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इस वस्तु से किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है और न ही इससे किसी व्यक्ति या संपत्ति को क्षति पहुंची है।

इस बीच गुब्बारे को ट्रैक करते हुए मौके पर पहुंचे विशिष्ट प्राध्यापक एवं इंडियन सेंटर ऑफ स्पेस फिजिक्स के निदेशक प्रोफेसर संदीप कुमार चक्रवर्ती ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि यह कोई संदिग्ध वस्तु नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए छोड़ा गया एक वेदर बैलून (मौसम गुब्बारा) है। यह गुब्बारा पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के शिवडी स्थित इंडियन सेंटर फॉर स्पेस फिजिक्स से छोड़ा गया था और वातावरणीय अध्ययन के दौरान उड़ान पूरी करने के बाद देवघर के बाराटाड़ गांव में आकर गिरा।



पेड़ों के बीच गिरा गुब्बारा

वायुमंडल का अध्ययन करने के लिए छोड़े जाते हैं बैलून : प्रोफेसर चक्रवर्ती ने बताया कि मानसून और वर्षा ऋतु से पहले वातावरण की विभिन्न परतों का अध्ययन करने के लिए ऐसे मौसम गुब्बारे नियमित रूप से छोड़े जाते हैं। ये गुब्बारे 30 से 40 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर पहुंचकर तापमान, वायुदाब, आर्द्रता और अन्य मौसम संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान को अधिक सटीक बनाने और अंतरिक्ष एवं वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए किया जाता है।

प्रशासन ने लोगों से की अपील : गांव में रविवार को भी दिनभर इस बात को लेकर लोगों के बीच चर्चा होती रही। कई ग्रामीणों ने पहली बार इस प्रकार के वैज्ञानिक उपकरण को नजदीक से देखा। वहीं प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि भविष्य में यदि किसी क्षेत्र में कोई संदिग्ध या असामान्य वस्तु दिखाई दे तो इसकी जानकारी तत्काल पुलिस या प्रशासन को दें और बिना पुष्टि के किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें। प्रशासन के अनुसार यह पूरी तरह सुरक्षित वैज्ञानिक उपकरण था और इससे किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है।

श्रावणी मेला से पहले बड़ी साजिश नाकाम हथियार के साथ पांच किए गए गिरफ्तार

PHOTON NEWS DEOGHAR : बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में श्रावणी मेला-2026 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। नगर थाना पुलिस ने शनिवार की देर रात एक वाहन से पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार नगर थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी शंकर कुमार रजक शनिवार की रात गश्ती पर थे। इसी दौरान उन्हें गुप्त सूचना मिली कि एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर वाहन (JH15AP-5093) में सवार कुछ लोग देवघर रेलवे स्टेशन होते हुए रामगढ़ मार्ग की ओर जा रहे हैं और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया,जिसके बाद विशेष टीम ने सक्रिय होकर वाहन की घेराबंदी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक अवैध देसी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस के साथ वाहन में सवार पांचों लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शैलेश कुमार दास,अरबिंद कुमार दास, गोलू महथा,लल्ला झा और रोहन तुरी के रूप में हुई है। सभी रिखिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं। इस संबंध में नगर थाना कांड संख्या 216/2026 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं एवं आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।



गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

अब ऑनलाइन ठगी की सीमा के बाहर निकल चुके साइबर अपराधियों के गैंग

कुख्यात और उग्रवादी संगठनों के नाम पर कारोबारियों से मांगी जा रही रंगदारी, दहशत में रांची के बिजनेसमैन

हाल में हुई कार्रवाई में नए मॉड्यूल का हुआ खुलासा, इसमें शामिल अपराधियों की कुंडली खंगालने में जुटी पुलिस

- बरामद लैपटॉप और डिजिटल उपकरणों की जांच में सामने आई चौंकाने वाली जानकारी
- असली अपराधियों की शैली की कॉपी कर रंगदारी का चलाया जा रहा नया धंधा
- धमकी भरे मैसेज असली अपराधी के या साइबर गैंग के यह पहचानना बेहद कठिन
- जांच के दौरान रंगदारी की रकम पहुंचाने वाले लोगों से भी पूछताछ करेगी स्पेशल टीम

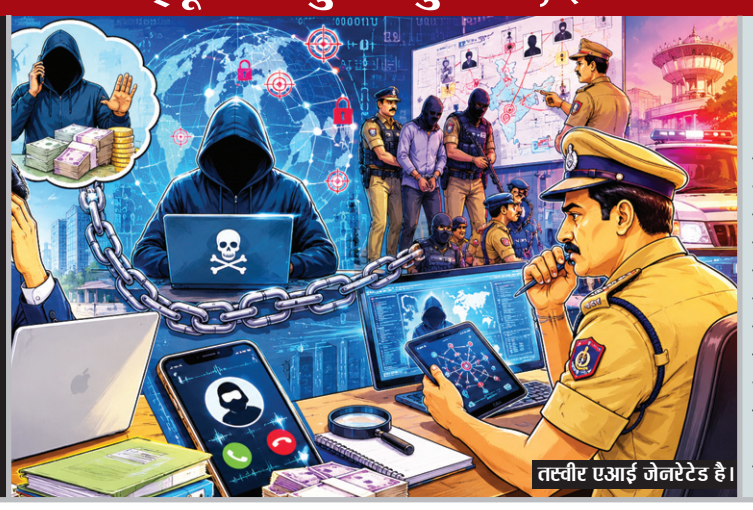
तस्वीर एआई जेनरेटेड है।

PHOTON NEWS RANCHI : समय के साथ साइबर अपराधियों ने अपने अपराध के मॉड्यूल को बदल लिया है। अब वे केवल ऑनलाइन ठगी का ही काम नहीं कर रहे, बल्कि इसकी सीमा को पार कर आगे बढ़ चुके हैं। राजधानी रांची में वे कुख्यात अपराधियों और उग्रवादी संगठनों के नाम का इस्तेमाल कर कारोबारियों से रंगदारी वसूल रहे हैं। पुलिस की हालिया कार्रवाई में इस नए मॉड्यूल का खुलासा हुआ है। राजधानी रांची में राहुल सिंह, राहुल दुबे और प्रिंस खान जैसे कुख्यात अपराधियों के नाम पर कारोबारियों को धमकी भरे कॉल और मैसेज आ रहे थे। इनमें करोड़ों रुपये की रंगदारी की मांग की जा रही थी। अब पता चला है कि ये धमकियां अक्सर साइबर अपराधियों द्वारा भेजी जा रही हैं, जो असली अपराधियों की शैली की कॉपी कर रंगदारी का नया धंधा चला रहे हैं। हाल ही में रांची पुलिस की टीम ने गोंदा इलाके के एक अपार्टमेंट में छापेमारी कर एक नाबालिग सहित चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। बरामद लैपटॉप और डिजिटल उपकरणों की जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। इन उपकरणों में राहुल दुबे समेत अन्य कुख्यात अपराधियों के नाम पर रंगदारी के मैसेज और कॉल के सबूत मिले। साइबर अपराधियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि उन्होंने न सिर्फ बड़े अपराधियों, बल्कि कुछ उग्रवादी संगठनों के नाम पर भी रंगदारी की मांग की थी।

पहचान मुश्किल, कई लोगों ने दी रंगदारी

धमकी भरे मैसेज असली अपराधी का है या साइबर गैंग का, यह पहचानना बेहद कठिन हो गया है। साइबर अपराधियों ने पुलिस की पूछताछ में यह खुलासा किया है कि उन लोगों ने जिन-जिन लोगों से रंगदारी की डिमांड की थी, उनमें से कुछ ने रंगदारी की रकम नकद में उनके पास पहुंचाई भी। रांची पुलिस की एक स्पेशल टीम इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। साइबर अपराधियों से पूछताछ में जो जानकारियां हासिल हुई हैं, उसके आधार पर रंगदारी की रकम पहुंचाने वाले लोगों से भी पूछताछ की जाएगी।

डिजिटल दुनिया में साइबर ठगों की पकड़ मजबूत, इंटरनेट कॉल से भेजते हैं मेसेज

असल में साइबर अपराधी कारोबारियों के मन में कुख्यात अपराधियों को लेकर पैदा हुए खौफ का फायदा उठा रहे हैं। रांची में कई ऐसी घटनाएं घट चुकी हैं, जिसमें बड़े अपराधियों द्वारा रंगदारी की मांग की गई और रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग जैसी वारदातों को अंजाम दिया गया, जिसमें कई बार किसी की जान भी चली गई। यही वजह है कि साइबर अपराधी भी अब इस पैंतरे का प्रयोग कर रहे हैं, क्योंकि डिजिटल दुनिया में बड़े अपराधियों की तुलना में साइबर अपराधी ज्यादा मजबूत हैं। यही वजह है कि उन्होंने साइबर अपराध के साथ-साथ रंगदारी के धंधे में भी अपने कदम रख दिए हैं। कारोबारी की पहले रेकी की जाती है। उनकी व्यक्तिगत डिटेल निकालकर इंटरनेट कॉल के जरिए धमकी भरा मेसेज भेजा जाता है। फिर निश्चित जगह पर बुलाकर नकद रंगदारी वसूली जाती है। साइबर अपराधियों ने रांची को इसलिए चुना क्योंकि यहां बड़े कारोबारी आसानी से उपलब्ध हैं और उनकी जानकारी जुटाना सरल है।

BRIEF NEWS

सामाजिक अंकेक्षण इकाई में रिक्त पदों पर नियुक्ति जल्द

RANCHI : ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह के निर्देश पर सामाजिक अंकेक्षण इकाई में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। विभाग का मानना है कि पर्याप्त कर्मियों की नियुक्ति होने से मनरेगा समेत विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी और सामाजिक अंकेक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी। मंत्री ने अधिकारियों को नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने और प्रखंड स्तर पर लंबित सामाजिक अंकेक्षण मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

आईटीआई संस्थानों में नामांकन प्रक्रिया शुरू

RANCHI : झारखंड के सरकारी, निजी, पीपीपी, सीएसआर मोड एवं झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम आईटीआई गोला में शैक्षणिक सत्र 2026-27-28 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण ने योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 25 जून निर्धारित की गई है। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार राज्य के एनसीवीटी एवं एससीवीटी से मान्यता प्राप्त सभी आईटीआई संस्थानों में विभिन्न ट्रेडों में नामांकन लिया जाएगा।

रातू थाने में दर्ज की गई एफआईआर, मामले की जांच में जुटी पुलिस

एयरफोर्स ऑफिसर ने पत्नी और ससुर पर लगाया 23 लाख की ठगी का आरोप

आपसी बातचीत से मामला नहीं सुलझने के बाद पहुंचा थाने

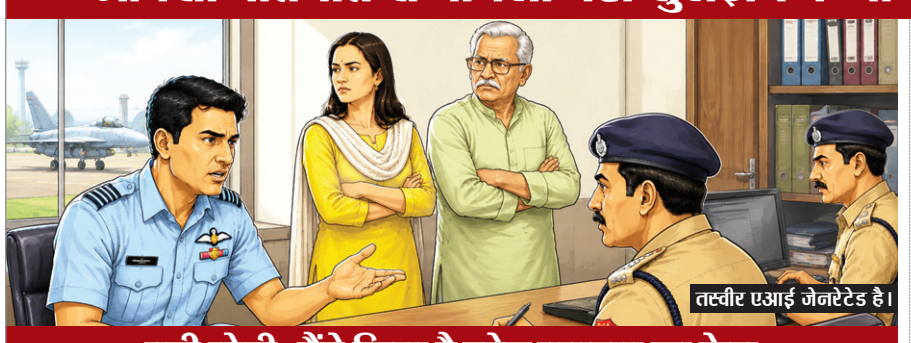
तस्वीर एआई जेनरेटेड है।

पत्नी बोली- मैंने किया है दहेज प्रताड़ना का केस

PHOTON NEWS RANCHI : रातू थाना क्षेत्र में पारिवारिक रिश्तों से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी ने अपनी पत्नी और ससुर पर 23 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप लगाया है। पलामू के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले एयरफोर्स अधिकारी अभिनव सिंह की शिकायत पर रातू थाना में पत्नी डॉ. अमितु सिंह और ससुर जयप्रकाश सिंह के खिलाफ जमीन खरीद में कथित धोखाधड़ी को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अधिकारी यह भी बताया है कि शादी के बाद पारिवारिक जरूरतों और विभिन्न आर्थिक कारणों का हवाला देकर पत्नी और ससुर ने कई बार रुपये लिए। रिश्ते और भरोसे के कारण उन्होंने अलग-अलग समय पर रकम दी। अधिकारी का आरोप है कि धीरे-धीरे यह राशि 23 लाख रुपये से अधिक हो गई। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की तो उन्हें लगातार आश्वासन दिया जाता रहा कि जल्द ही पैसे लौटा दिए जाएंगे। हालांकि काफी समय बीत जाने के बावजूद राशि वापस नहीं की गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। वायुसेना अधिकारी की पत्नी डॉ. अमितु सिंह ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि वह वर्ष 2025 में अपने पति, सास, ससुर और ननद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, मारपीट और उत्पीड़न का मामला दर्ज करा चुकी हैं। अमितु सिंह का कहना है कि शादी के बाद उनसे लगातार दहेज की मांग की गई और उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उन्होंने दावा किया कि रांची की जिस जमीन को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है, उसमें उनके पिता ने लगभग 38 लाख रुपये लगाए थे, जबकि उनके पति द्वारा जो पैसे दिए गए थे, उसमें से 17 लाख रुपये से अधिक वापस भी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि महिला थाना डालटनगंज में दर्ज केस और न्यायालय में चल रही प्रक्रिया के बावजूद अब उनके खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर दबाव बनाने की कोशिश है। अमितु सिंह के अनुसार, पूरा मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है और कानून के तहत इसकी सुनवाई चल रही है। अधिकारी का कहना है कि उन्होंने पहले आपसी बातचीत के माध्यम से मामला सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। काफी इंतजार के बाद जब उन्हें लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तब उन्होंने रातू थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी आगे की कानूनी कार्रवाई

पुलिस बैंक खातों से जुड़े लेन-देन, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। साथ ही दोनों पक्षों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामला पारिवारिक संबंधों और आर्थिक लेन-देन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस बैंकिंग रिकार्ड, लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। जांच पूरी होने के बाद ही आरोपों की सत्यता और संबंधित लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

गंभीर बीमारी के बावजूद फैजान ने मैट्रिक में हासिल किए 93.8 प्रतिशत अंक

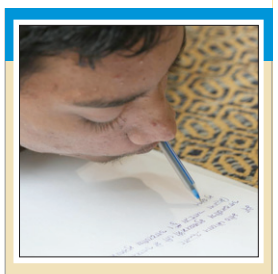

- हौसले के आगे हर चुनौती छोटी, सफलता को मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया प्रेरणा
- अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए की उज्ज्वल भविष्य की कामना

PHOTON NEWS RANCHI : सेरेब्रल पाल्सी जैसी गंभीर शारीरिक चुनौती को मात देकर झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मैट्रिक परीक्षा में 93.8 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले गोड्डा के छात्र मो. फैजान उल्लाह से राज्य की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने अपने आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने फैजान की मेहनत, संघर्ष और अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री ने कहा कि फैजान की उपलब्धि यह साबित करती है कि सफलता शारीरिक सीमाओं से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और मेहनत से तय होती है। उन्होंने बताया कि हाथों से लिखने में असमर्थ होने के बावजूद फैजान ने मुंह को ही अपनी कलम बनाया और कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखी। इसी लगन का परिणाम है कि उसने मैट्रिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर पूरे राज्य का नाम रोशन किया। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि फैजान की कहानी केवल एक छात्र की सफलता नहीं, बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो चुनौतियों के बीच अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि फैजान भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और दृढ़ निश्चय के दम पर नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

प्रेमी के कहने पर हुआ था दुष्कर्म, हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

मांडर सामूहिक दुष्कर्म मामला : रातभर चली पुलिस की छापेमारी, आठ गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : मांडर में एक युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला कि केरल में रहने वाले युवती के तथाकथित पति के द्वारा ही मांडर के कुछ युवकों को सामूहिक दुष्कर्म करने के लिए उकसाया गया था। मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कुछ अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है। रांची पीड़िता ने थाने में दिए आवेदन में कहा कि वह पिछले दो साल से एक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। डेढ़ माह पहले उक्त युवक काम के सिलसिले में केरल चला गया। उसके बाद से वह उसी युवक के घर में रह रही थी। बीते शुक्रवार की शाम करीब सात बजे कुछ युवक पहुंचे और उसे जबरन उठाकर ले गए। इसके बाद नदी किनारे ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे शनिवार सुबह छोड़ा, जिसके बाद वह किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता के पिता उसे लेकर थाना पहुंचे।


गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देती पुलिस।

ट्रैफिक एसपी ने की अनुशंसा, पीलियन राइडर और रेड लाइट जंपिंग के मामले सबसे अधिक

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, 599 वाहन चालकों के लाइसेंस होंगे निलंबित

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में यातायात नियमों का लगातार उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने 599 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने की अनुशंसा की है। ट्रैफिक एसपी रांची राकेश सिंह ने संबंधित वाहन चालकों की सूची जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। भेजे गए पत्र में कहा गया कि इन वाहन चालकों ने मई महीने में यातायात नियम का उल्लंघन किया है। पत्र में यह भी कहा गया कि इसमें कई ऐसे वाहन चालक हैं, जिन्होंने कई बार यातायात नियम तोड़ा और जुमार्ने की रकम भी जमा नहीं की है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से मई महीने तक 4339 वाहन चालकों का लाइसेंस निलंबित करने की अनुसंशा की गई है। ट्रैफिक पुलिस की जांच में पाया गया कि सबसे अधिक मामले दो पहिया वाहनों पर बिना हेलमेट पीलियन राइडर (पीछे बैठने वाले व्यक्ति) के यात्रा करने और रेड लाइट जंपिंग के हैं। पीलियन राइडर की संख्या 219 है। जबकि रेड लाइट जंपिंग वाले 173 वाहन चालक हैं। इसके अलावा नो-पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने, सीट बेल्ट नहीं लगाने और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले भी सामने आए हैं।



NEWS BOX

लर्निंग-ड्राइविंग लाइसेंस के लंबित आवेदनों का जल्द निपटारा करने का निर्देश

RANCHI : परिवहन सचिव राजीव रंजन ने राज्य के सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को लर्निंग लाइसेंस और ड्राइविंग लाइसेंस के लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टल पर लाइसेंस से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन लंबित दिख रहे हैं, जिससे आम लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल हाल में हुई विभाग की समीक्षा के दौरान सचिव ने पाया कि कई जिलों में आवेदनों के साथ जमा दस्तावेजों की जांच और सत्यापन की प्रक्रिया अपेक्षित गति से नहीं हो रही है। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करें और उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि पोर्टल पर लंबित मामलों की संख्या न्यूनतम हो सके। बैठक में गोड्डा जिला परिवहन कार्यालय की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा हुई। सचिव ने कहा कि जिले में राजस्व संग्रहण का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया है। इस पर उन्होंने संताल परगना प्रमंडल के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार के उप परिवहन आयुक्त-सह-सचिव को गोड्डा जिला परिवहन कार्यालय का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही 15 दिनों के भीतर जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन विभाग को सौंपने को कहा गया है। परिवहन सचिव ने स्पष्ट किया कि विभागीय सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने के लिए लंबित मामलों के निपटारे तथा कार्यालयों की कार्यप्रणाली की लगातार निगरानी की जाएगी।

झारखंड में 28 से चलेगा पल्स पोलियो अभियान 61 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

RANCHI : झारखंड में 28 जून से राज्यव्यापी पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान 0 से 5 वर्ष तक के 61 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने सभी सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए विस्तृत निर्देश भेजे हैं। अभियान की शुरूआत 28 जून को बूथों पर बच्चों को दवा पिलाने के साथ होगी। इसके बाद 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगे। राज्य में इस अभियान के तहत 61,26,679 बच्चों को पोलियो से सुरक्षा देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 24,507 बूथ बनाए गए हैं, जहां 49,013 टीमें तैनात रहेंगी। अभियान की निगरानी के लिए 4,901 सुपरवाइजरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रांची में किराए के मकान से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद, आरोपी पर एफआईआर दर्ज

RANCHI : राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित द्वारिकापुरी, कमड़े में पुलिस ने एक किराए के मकान से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जानवीलाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी से मिली सूचना के आधार पर रातू पुलिस द्वारिकापुरी रोड नंबर-9 स्थित एक मकान पहुंची। वहां विनोद प्रसाद के किरायेदार जानवीलाल के कमरे से विभिन्न ब्रांड की कुल आठ पेटी विदेशी शराब बरामद की गई । बरामद शराब में स्टर्लिंग रिजर्व, रॉयल स्टैग, आइकॉनिक व्हाइट, मैकडॉवेल्स नंबर-1 और रॉयल चैलेंज ब्रांड की बोतलें शामिल हैं। पुलिस ने मौके पर वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कर शराब को जब्त कर लिया।

असर — भाड़े में उचित इजाफे के लिए झारखंड के परिवहन सचिव को भेजा गया है प्रस्ताव

ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बाद निजी बसों का किराया बढ़ाने की तैयारी

बस ऑपरेटरों को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में किराया बढ़ोतरी की मिलेगी स्वीकृति

प्रस्ताव के लागू होने के बाद लंबे रूट की बसों में 75 से ₹100 तक किराए में होगा इजाफा


तस्वीर एआई जेनरेटेड है।

PHOTON NEWS RANCHI : लंबे समय से पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण चंद दिनों में ईंधन के दामों में भारी वृद्धि की गई है। इसका असर अब निजी वाहनों में यात्रा करने वालों पर जल्द पड़ने वाला है। निजी बसों का किराया बढ़ाने की तैयारी चल रही है। झारखंड और बिहार के विभिन्न रूटों पर सफर करने वाले बस यात्रियों को जल्द ही महंगाई का बड़ा झटका लग सकता है। ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी और बढ़ते परिचालन घाटे को देखते हुए निजी बस ऑपरेटरों ने किराए में वृद्धि करने की पूरी तैयारी कर ली है। किराए में बढ़ोतरी का प्रस्ताव झारखंड के परिवहन सचिव के पास भेज दिया गया है। बस ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सच्चिदानंद सिन्हा ने बताया कि किराए में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया गया है। औपचारिक प्रस्ताव परिवहन सचिव के पास भेज दिया गया है। एसोसिएशन को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों के भीतर इस पर प्रशासनिक स्वीकृति मिल सकती। सिन्हा के अनुसार, मंजूरी मिलने के अगले ही दिन से नया किराया प्रभावी कर दिया जाएगा।

अतिरिक्त आर्थिक बोझ वहन करना संभव नहीं

अधिकतम एक सप्ताह के भीतर इसे पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद विभिन्न रूटों पर यात्रियों को औसतन 75 रुपये से लेकर 100 रुपये तक अतिरिक्त किराया चुकाने होंगे। पटना, बक्सर, वाराणसी, कोलकाता और अयोध्या रूट के बस संचालकों का कहना है कि वर्तमान स्थिति में बिना किराया बढ़ाए बसों का संचालन करना अब संभव नहीं रह गया है। बक्सर और वाराणसी मार्ग के बस ऑपरेटरों ने बताया कि पिछले दिनों ईंधन के दामों में लगभग 10 रुपये प्रति लीटर का उछाल आया है। इसके कारण 800 किलोमीटर के लंबे सफर पर चलने वाले वाहनों के लिए प्रति चक्कर (राउंड ट्रिप) करीब 5000 रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है, जिसकी भरपाई करना नामुमकिन हो रहा है।

इन प्रमुख रूटों पर यात्रियों की ढीली होगी जेब

प्रमुख शहरों के लिए आगामी दिनों में औसतन 75 से 100 रुपये की वृद्धि की बात कही जा रही है। वर्तमान में बक्सर के लिए सीट का किराया 600 रुपये और स्लीपर का 700 रुपये तय है, जबकि वाराणसी मार्ग पर भी सीट के लिए 600 रुपये और स्लीपर के लिए 700 रुपये लिए जा रहे हैं। इसी तरह औरंगाबाद, डेहरी और सासाराम रूट पर सीट का किराया 500 रुपये और स्लीपर का 600 रुपये है। पटना और कोलकाता जाने वाले यात्रियों को अभी 500 रुपये और बलिया के लिए 700 रुपये का भुगतान करना पड़ रहा है। सबसे बड़ा बदलाव अयोध्या रूट पर देखने को मिला है, जहां का किराया पहले के 1700 रुपये से बढ़कर अब सीधे 2000 रुपये पहुंचने वाला है।

झारखंड में प्री-मानसून का असर तेज, 11 के लिए ऑरेंज अलर्ट

RANCHI : झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने लगी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। इस दौरान सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर में सर्वाधिक 70.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में प्री-मानसून सिस्टम सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में इसका असर बना रहेगा। पिछले 24 घंटों में राज्य का सर्वाधिक तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। मौसम में आए बदलाव के कारण अधिकांश जिलों में गर्मी का प्रभाव कम हुआ है।

समाचार सार

एकलव्य स्कूल में चोरी के दबोचे गए दो आरोपी



CHAIBASA : एकलव्य मॉडल स्कूल में चोरी करने वाले दो आरोपी 24 घंटे के अंदर दबोच लिए गए। पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना की पुलिस ने अंधारी स्थित स्कूल से चोरी गए सामान भी बरामद कर लिए। जगन्नाथपुर के एसडीपीओ रफायल मुर्मू ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 6 जून को कुमारडुंगी थाना क्षेत्र के गण्डकीदा गांव निवासी 56 वर्षीय सरदार आल्डा ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय अंधारी से बजाज कंपनी के 8 वॉलफैन, 9 से 11 प्लाई सहित लोहे के बेड और 4 बेड के गद्दे गायब हैं। पुलिस ने 6 जून को ही कांड के प्राथमिकी अभियुक्त 38 वर्ष राम हेम्ब्रम और अप्राथमिकी अभियुक्त 31 वर्ष रासिका हेम्ब्रम को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी कुमारडुंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत गण्डकीदा टोला जंजरासाई के निवासी हैं। रासिका हेम्ब्रम का आपराधिक इतिहास है।

रेलवे कॉलोनी के पास मिला सड़ा-गला शव

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में मुफस्सिल थाना क्षेत्र की रेलवे कॉलोनी के पास रविवार को सुबह में चटाई में लिपटा एक व्यक्ति का सड़ा-गला शव मिला। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस ने हत्या कर साक्ष्य छिपाने की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुछ ग्रामीण शौच के लिए खेत की ओर जा रहे थे। रास्ते में रेलवे कॉलोनी के पास उन्हें चटाई में लिपटा शव दिखा। शव से तेज दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना रेलवे कॉलोनी के लोगों को दी। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का अनुमान है कि व्यक्ति की दो से तीन दिन पहले हत्या की गई है। पुलिस ने बताया कि शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। रेलवे और मुफस्सिल थाना की पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नौकरी से निकाले गए 100 सिक्योरिटी गार्ड



JAMSHEDPUR : भारतीय स्टेट बैंक की एटीएम में तैनात 100 से ज्यादा सिक्योरिटी गार्ड नौकरी से निकाल दिए गए। सुरक्षाकर्मियों का आरोप है कि नई कंपनी सीआईएसएस ने बिना किसी सूचना और कारण बताए उन्हें नौकरी से निकाल दिया है। जिन्हें निकाला गया है, वे 10 साल या उससे ज्यादा समय से विभिन्न एटीएम की सुरक्षा में तैनात थे। नौकरी से निकाले गए सिक्योरिटी गार्ड रविवार को जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय से मिले। इस दौरान विधायक के मजदूर प्रकोष्ठ प्रतिनिधि अमित शर्मा भी मौजूद थे। सरयू राय ने उनसे कहा कि वह संबंधित एजेंसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अफसरों से बात करेंगे। अमित शर्मा ने बताया कि पहले भी एजेंसियां बदलती थीं। लेकिन, इस बार जब से सीआईएसएस नामक कंपनी आई है, तब से लोगों की छंटनी चालू हो गई है। कम सैलरी पर लोग रखे जा रहे हैं। अमित शर्मा ने बताया कि एक सिक्योरिटी गार्ड के पति का निधन इसलिए हो गया, क्योंकि उन्हें डर था कि जैसे बाकी लोगों की नौकरी जा रही है, वैसे ही कहीं उनकी पत्नी की भी नौकरी न चली जाए। अमित शर्मा के अनुसार, उक्त सज्जन की मृत्यु सदमा लगने से हुई है।

राहरगोड़ा में आरओबी बनाने के लिए लोगों ने की सड़क जाम

विधानसभा चुनाव से पहले ओवरब्रिज व अंडरपास का किया गया था शिलान्यास

PHOTON NEWS JSR: परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित राहरगोड़ा के रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर रविवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश सड़क पर दिखाई दिया। सैकड़ों लोगों ने सड़क जाम कर टायर जलाए और रेलवे प्रशासन तथा रेल मंत्रालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी के प्रतिनिधि मिथुन चक्रवर्ती और उत्तर पश्चिम गदरा पंचायत की मुखिया सुनीता नाग के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राहरगोड़ा, सलगाझुड़ी, बारीगोड़ा और गोविंदपुर रेलवे फाटक पर रोज लंबा जाम लगता है, जिससे हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।



सड़क पर प्रदर्शन करते लोग ● फोटोन न्यूज

मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि रेलवे फाटक लंबे समय तक बंद रहने के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचने में देरी होती है, विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और नौकरीपेशा लोगों का समय बर्बाद होता है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग दशकों से क्षेत्र को शहर से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण का शिलान्यास किया गया था, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। इससे क्षेत्रवासियों में निराशा और नाराजगी लगातार बढ़ रही है। मुखिया सुनीता नाग ने कहा कि रेलवे फाटक पर लगने वाला जाम और लगातार हो रही दुर्घटनाएं लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो विभिन्न पंचायतों के लोग मिलकर बड़ा जनआंदोलन करेंगे।

बाद में प्रशासन और पुलिस के हस्तक्षेप से स्थिति सामान्य हुई। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

चिड़िया माइंस के ठेकेदार की फंदे पर लटकी मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस



CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चिड़िया थाना क्षेत्र अंतर्गत चिड़िया गांव में मनोहर झा (54) ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। वे सेल (स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के ठेकेदार और झामुमो समर्थक थे। जानकारी के अनुसार, मनोहर झा शनिवार को घर में अकेले थे। उनका परिवार बाहर गया हुआ था। रविवार सुबह उनका एक दोस्त उनसे मिलने घर पहुंचा। खिड़की से कमरे में देखने पर दोस्त ने उनका शव लटकता पाया। इसके बाद आसपास के लोगों को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने तुरंत मामले की जानकारी चिड़िया थाना को दी। मनोहर झा सांसद जोबा मांझी के करीबी माने जाते थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि मनोहर झा को कई महीनों से कोई ठेका नहीं मिला था, जिसके चलते वे तनाव में थे। कुछ दिनों से वे काफी परेशान दिख रहे थे।

कोवाली के थाना प्रभारी पर रिश्वत मांगने का आरोप, एसएसपी से कार्रवाई की मांग

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के कोवाली थाना क्षेत्र के हेंसड़ा गांव निवासी करण बेरा ने एसएसपी को शिकायत पत्र सौंपकर कोवाली के थाना प्रभारी मुकेश कुमार साव पर मारपीट करने और रिश्वत मांगने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि उनके पिता श्यामा प्रसाद बेरा को झूठे आरोप में थाना ले जाकर मारपीट की गई और फर्जी गांजा मामले में फंसाने की धमकी दी जा रही है। करण बेरा के अनुसार उनके पिता श्यामा प्रसाद बेरा करीब 50 वर्ष के हैं और लंबे समय से शुगर व ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 6 जून की रात करीब 12 बजे कोवाली थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंचे और उनके पिता पर गांजा का कारोबार करने का आरोप लगाते हुए जबरन थाना ले गए। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब वह अपने भाइयों के साथ रात में थाना पहुंचे तो उनके पिता की पिटाई की जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध करने पर पुलिस ने उन्हें अपशब्द कहकर वहां से भगा दिया। अगली सुबह परिजनों को जानकारी मिली कि श्यामा प्रसाद बेरा को पोटका के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। अस्पताल पहुंचने पर उन्होंने उन्हें इलाजरत पाया। परिजनों का दावा है कि श्यामा प्रसाद बेरा ने बताया कि थाना में रातभर उनकी पिटाई की गई, जिससे पूरे शरीर में दर्द है और उनकी तबीयत बिगड़ गई। शिकायत पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि थाना प्रभारी की ओर से एक लाख रुपये की मांग की जा रही है तथा राशि नहीं देने पर झूठे गांजा मामले में जेल भेजने की धमकी दी जा रही है। करण बेरा ने अपने पिता को निर्दोष बताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, डीजीपी, कोल्हान डीआईजी और मुसाबनी डीएसपी को भी भेजी गई है। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।



शिकायत करने पहुंचे भुक्तभोगी

टाटा-रांची एनएच पर दो ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत, छह घायल



SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले में रविवार को टाटा-रांची राष्ट्रीय उच्चपथ(एनएच-33) पर करणीडीह और भादुडीह के बीच दो ऑटो की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि एक ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके कई हिस्से सड़क पर बिखर गए। घायलों में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जिनका इलाज जमशेदपुर के अस्पताल में चल रहा है। दोनों ऑटो तेज रफ्तार में विपरीत दिशा से आ रहे थे। कई घायलों को सिर, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल भेजा गया।

कुएं में डूबकर किशोर की मौत, गांव में पसरा मातम



घटनास्थल के पास जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत सागजोड़ी गांव में शनिवार को कुएं में डूबने से 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। अजम्बर चौक के पास हुई घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान सागजोड़ी गांव निवासी शंकर भूमिज के पुत्र हरीश भूमिज के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शनिवार को हरीश अपनी छोटी बहन के साथ नहाने के लिए कुएं पर गया था। नहाने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे कुएं में जा गिरा। काफी देर तक हरीश पानी से बाहर नहीं निकला तो आसपास मौजूद लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कुआं काफी गहरा होने के कारण किशोर दिखाई नहीं दे रहा था। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कुएं में तलाशी अभियान चलाया। काफी प्रयास के बाद हरीश को कुएं से बाहर निकाला गया और तत्काल स्थानीय डॉक्टर के पास ले जाया गया। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर जराईकेला के थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रविवार को सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

टाटानगर की वाशिंग लाइन में झुलसे युवक की मौत, हंगामा

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के वाशिंग लाइन में 30 मई को करंट से झुलसे युवक आशीष मांझी की देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। रविवार को बड़ी संख्या में लोग टाटानगर स्टेशन पहुंचे और रेलवे प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित जीआरपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, एक सदस्य को स्थायी नौकरी तथा हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। आशीष मांझी परसुडीह थाना क्षेत्र के शंकरपुर का निवासी था और 30 मई को टाटानगर स्टेशन के वाशिंग लाइन क्षेत्र में एसी मरम्मत में जुटा हुआ था। जानकारी के अनुसार, आशीष एक कोच की छत पर चढ़कर एसी यूनिट की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद सहकर्मियों ने उसे तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए टीएमएच रेफर कर दिया गया था। कई दिनों तक चले इलाज के बाद शनिवार को देर रात उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने रेलवे प्रशासन पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि वाशिंग लाइन जैसे संवेदनशील क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया गया होता तो इस दुर्घटना को टाला जा सकता था। धरने पर बैठे लोगों ने आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान स्टेशन परिसर में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बना रहा। सूचना मिलने पर आरपीएफ, जीआरपी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। फिलहाल आशीष मांझी का शव टीएमएच में रखा गया है। परिजनों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक वे पोस्टमॉर्टम कराने की अनुमति नहीं देंगे।



टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर धरना देते लोग ● फोटोन न्यूज

टेल्को में महिला से चेन छिनतई

JAMSHEDPUR : टेल्को थाना क्षेत्र में बिरसानगर जोन-1बी निवासी महिला से चेन छिनतई की घटना हुई है। बदमाशों ने कुमारी सुमन के गले से चेन छिनतई कर ली। उसका मोबाइल भी छीन लिया। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट कर बदमाश फरार हो गए। घटना 3 जून की बताई जा रही है। टेल्को थाना पुलिस ने अब मामले में एफआईआर दर्ज कर रविवार को जांच शुरू की है।

कुमारी सुमन ने पुलिस को बताया कि टेल्को के मनीफीट का रहने वाला दिलीप कुमार इस मामले में आरोपी है। उसी ने मेरे साथ मारपीट की और मोबाइल फोन और सोने की चेन छीनकर फरार हो गया। सुमन कुमारी के पति का नाम सूर्य नंदन कुमार सिंह है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

हत्या मामले में जेल से छूटे युवक पर जेम्को बाजार में हुआ जानलेवा हमला

करीब 25 लोगों ने धारदार हथियार और लाठी-डंडों से किया वार

PHOTON NEWS JSR : टेल्को थाना क्षेत्र स्थित जेम्को बाजार में शनिवार रात एक युवक पर कुछ लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना में मछुआ बस्ती निवासी कृष्णा मछुआ गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे तत्काल इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कृष्णा रात जेम्को बाजार में नाश्ता करने गया था। इसी दौरान करीब 25 लोग वहां पहुंचे और अचानक उस पर हमला बोल दिया। आरोप है कि हमलावरों ने धारदार हथियारों के साथ-साथ लाठी-डंडों का भी इस्तेमाल किया। अचानक हुए हमले से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों के जुटने पर हमलावर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर टेल्को थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घायल युवक के परिजनों ने बताया कि कृष्णा एक हत्या के मामले में जेल में बंद था और करीब चार महीने पहले जमानत पर रिहा हुआ था। जेल से बाहर आने के बाद वह अपने गांव में रह रहा था। कोर्ट में पेशी के सिलसिले में वह शुक्रवार को जमशेदपुर आया था। शनिवार को बाजार जाने के दौरान उस पर हमला किया गया। परिजनों का आरोप है कि पड़ोसियों के साथ चल रहा पुराना विवाद इस हमले की वजह हो सकता है। वहीं पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।



अस्पताल में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

आयोजन सोनारी के ट्राइबल कल्चर सेंटर में बाल कलाकारों की नाट्य प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

हरिशंकर परसाई की कहानी 'उखड़े खंभे' का हुआ दमदार मंचन

PHOTON NEWS JSR : प्रसिद्ध कहानीकार हरिशंकर परसाई ने कई दशक पहले अपनी कहानी -उखड़े खंभे- में देश में फैले भ्रष्टाचार और उसे दूर करने के व्यवस्था के प्रयासों पर तीखा व्यंग्य किया था। लेकिन वर्षों वर्ष बीतने के बाद भी आज भी ज्यादा कुछ नहीं बदला। अब सवाल तो और भी गंभीर होते जा रहे हैं। महंगाई और भ्रष्टाचार अवाम की कमर तोड़ती रहती है, मुनाफाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद होती है, उसके खात्मे की आस जगती है, लेकिन व्यवस्था और मुनाफाखोर हमेशा कुछ न कुछ नया रास्ता निकाल ही लेते हैं और जनता अपने दुख-दर्द को भूल किसी नए बात में मशगूल हो जाती है।

सोनारी स्थित ट्राइबल कल्चर सेंटर में रविवार को भारतीय भारतीय जननाट्य संघ, जमशेदपुर द्वारा आयोजित सात दिवसीय बाल रंग महोत्सव के समापन के मौके पर परसाई जी की कहानी का नाट्य रूपांतरण बच्चों ने बड़े ही मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया। एक दिन ऐसी सुबह यहां पर आएगी, जब सबकुछ बेहतर होगा, यह आशा भी बच्चों के प्रस्तुति के माध्यम से खूब दिखा। कर्णप्रिय संगीत व मजबूत संवाद अदायगी से बच्चों ने दर्शकों का मन मोह लिया और उन्हें सैकड़ों दर्शकों की जोरदार तालियां मिली।



छत्तीसगढ़ी नाचा शैली में हुई प्रस्तुति

नाटक की शुरूआत छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा शैली में प्रसिद्ध कलाकार व निर्देशक निसार अली, पार्थ बनर्जी, श्वेता गुप्ता व साथियों ने शुरू की, फिर बच्चों ने मुख्य कहानी को आगे बढ़ाया। इससे पहले जमशेदपुर इप्टा के अध्यक्ष प्रो. अहमद बद्र ने स्वागत भाषण में बताया कि इंसान को इंसान बनाने के लिए नाटक एक महत्वपूर्ण विधा है। बचपन में ही बच्चों का नाटक से जोड़ना उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील बनाता है, वही उन्हें बढ़ती उम्र में बुरी आदतों व भटकाव से भी रोकता है।

दिखी मोबाइल में डूबी पीढ़ी की सच्चाई

कार्यक्रम के दौरान चुटीले अंदाज में प्रस्तुत -पापी हो गए नैना- नाटक के माध्यम से मोबाइल में डूबती पीढ़ी की सच्चाई भी दिखी। वहीं, बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान इप्टा की अर्पिता, वरिष्ठ रंगकर्मी शांति, कॉमरेड शशि कुमार, डॉ. एसके झा, साहित्यकार रणेंद्र, जकारिया, मिथिलेश समेत जमशेदपुर, रांची, हजारीबाग, डाल्टनगंज, घाटशिला के सैकड़ों कलाकार व दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय सोलोमन व अर्पिता ने किया। कार्यक्रम का समापन बाल रंग शिविर में भाग लेने वाले 24 बाल कलाकारों के सम्मान के साथ हुआ, उन्हें अतिथियों ने सम्मानित किया। बाल रंग शिविर का आयोजन प्रसिद्ध फिल्मकार, लेखक व पत्रकार खवाजा अहमद अब्बास जी की स्मृति में किया गया था।



ब्रह्मर्षि विकास मंच ने नियुक्त किए सभी इकाइयों के प्रभारी



विद्यापतिनगर में बैठक करते संस्था के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : ब्रह्मर्षि विकास मंच जमशेदपुर की बैठक रविवार को बारीडीह के विद्यापति नगर में शंभू शर्मा के आवास पर हुई। इसमें जिला अध्यक्ष राम नारायण शर्मा ने सभी इकाइयों के प्रभारी नियुक्त किए। कार्यकारी जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह को साकची, बारीडीह व विजया गार्डन, जिला महासचिव मुकेश कुमार को केबुल टाउन, विजय नारायण को टेल्को व बिरसानगर, संजय कुमार सिंह को एमजीएम, ठाकुर गोपाल सिंह को 10 नंबर बस्ती, बीरेन्द्र सिंह को एग्रिको व सिदगोड़ा, धर्मेंद्र कुमार सिंह को बागबेड़ा-जुगसलाई, श्रीनिवास ठाकुर को नामदा बस्ती, शशि सिंह को कदमा- सोनारी व बिष्टुपुर, सुनील कुमार पांडेय को घोड़ाबांधा व खड़गाझार, चंदन कुमार सिंह को लक्ष्मीनगर, दिनेश कुमार चौधरी को गोविंदपुर, प्रभाकर शर्मा को मानगो, शंभू शर्मा को सुंदरनगर, अमरेंद्र कुमार शर्मा को विद्यापतिनगर इकाई का प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी प्रभारी अपनी-अपनी इकाई में संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे।

BRIEF NEWS

युवक की मौत से मचा बवाल, हत्या का आरोप



SUPAUL : जिले के पिपरा थाना क्षेत्र स्थित तुलापट्टी पंचायत के लालपट्टी गांव में 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। मृतक के परिजनों ने स्थानीय पान दुकानदार और उसके सहयोगियों पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है,जबकि दूसरी ओर कुछ लोग युवक की मौत करंट लगने से होने की बात कह रहे हैं। घटना को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान लालपट्टी वार्ड संख्या-1 निवासी लालो पंडित के पुत्र सतीश पंडित के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक शनिवार की शाम लालपट्टी चौक पर किसी विवाद को लेकर सतीश की पान दुकानदार राजन कुमार और उसके साथ मौजूद कुछ लोगों ने कथित रूप से पिटाई कर दी।आरोप है कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उसे एक सिटी रिक्शा पर लिटाया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों का कहना है कि सतीश पूरी तरह स्वस्थ था और उसके शरीर पर चोट के कई निशान मौजूद हैं। उनका दावा है कि युवक की मौत मारपीट के कारण हुई है। परिजनों ने करंट लगने से मौत की चर्चा को भ्रामक बताते हुए कहा कि वास्तविक घटना को छिपाने के लिए यह कहानी बाद में सामने लाई गई। घटना की सूचना मिलने पर पिपरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की प्रारंभिक जांच की। हालांकि मृतक के स्वजनों ने आरोप लगाया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने में अनावश्यक देरी की गई, जिससे मामले को प्रभावित करने की आशंका पैदा हुई।मृतक के परिजनों ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रविवार को स्थानीय स्तर पर पंचायत बुलाई गई,जिसमें कथित रूप से पांच लाख रुपये देकर मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया। उनका कहना है कि पंचायत के बाद ही शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सुपौल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि युवक की मौत बिजली के करंट की चपेट में आने से हुई है। इस संबंध में पिपरा थानाध्यक्ष राजेश कुमार झा ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं तथा लिखित आवेदन प्राप्त होने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिसके आधार पर मामले की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

कोसी नदी का जलप्रवाह 43 हजार क्यूसेक के पार

SUPAUL : नेपाल के बराह क्षेत्र कैचमेंट क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के बाद कोसी नदी के जलप्रवाह में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। रविवार को कोसी बराज पर जल अधिग्रहण (डिस्चार्ज) 43,635 क्यूसेक तक पहुंच गया, जो बाढ़ अवधि 2026 में पहली बार 43 हजार क्यूसेक के आंकड़े को पार करने वाला स्तर है। बिहार जल संसाधन विभाग के रियल-टाइम डिस्चार्ज आंकड़ों में भी कोसी बराज के प्रवाह में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जल संसाधन विभाग के पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार, नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के प्रभाव से कोसी नदी के जलप्रवाह में क्रमिक वृद्धि की संभावना पहले ही जताई गई थी। विभाग के मॉडल पूर्वानुमान में बिरपुर बराज पर डिस्चार्ज 43 हजार क्यूसेक के आसपास पहुंचने का संकेत दिया गया था। हालांकि वर्तमान जलप्रवाह अभी खतरे के स्तर से काफी नीचे है और तटबंधों पर किसी प्रकार का दबाव नहीं माना जा रहा है, लेकिन मानसून के सक्रिय होने तथा नेपाल क्षेत्र में वर्षा बढ़ने पर आने वाले दिनों में जलस्तर पर प्रशासन और जल संसाधन विभाग की लगातार नजर बनी हुई है।

लोन दिलाने के नाम पर सैकड़ों महिलाओं से की ठगी, कंपनी का संचालक फरार

भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल में फाइनेंस कंपनी खोलकर ज्यादा लाभ का दे रहा था झांसा

AGENCY BHAGALPUR : जिले के नवगछिया अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में एक कथित फाइनेंस कंपनी द्वारा सैकड़ों महिलाओं को झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। ठगी का आरोप आईबीएल फाइनेंशियल लिमिटेड नामक एक कंपनी पर लगा है, जिसने नवगछिया में एनएच 31 के समीप ब्रांच कार्यालय खोलकर महिलाओं को कम समय में भारी ऋण उपलब्ध कराने का प्रलोभन दिया और बाद में कार्यालय बंद कर फरार हो गई।

बताया जा रहा है कि नवगछिया के संतोष धर्मकांटा के समीप एक अर्द्धनिर्मित भवन में कंपनी का कार्यालय संचालित किया जा रहा था। कंपनी के कथित कर्मचारी पिछले कई दिनों से नवगछिया के इस्माइलपुर प्रखंड सहित नारायणपुर, बिहपुर तथा पसराहा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर महिलाओं से संपर्क कर रहे थे। महिलाओं को बताया गया कि यदि वे कंपनी में 10 हजार रुपये जमा करती हैं तो मात्र 12 घंटे के भीतर उन्हें दो लाख रुपये का व्यवसायिक ऋण उपलब्ध करा दिया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने महिलाओं को भरोसे में लेने के लिए लगातार गांव-गांव जाकर बैठकें कीं और योजनाओं की जानकारी दी। उनके झांसे में आकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने नकद एवं ऑनलाइन माध्यम से 10-10 हजार रुपये जमा कर दिए। बताया



थाने में शिकायत करने पहुंची महिलाएं

जा रहा है कि करीब 200 से अधिक महिलाओं से राशि ली गई है। पीड़ित महिलाओं के अनुसार, उन्हें कहा गया था कि रात 12 बजे तक अथवा 12 घंटे के भीतर उनके खाते में ऋण की राशि भेज दी जाएगी। महिलाएं पूरी रात और अगले दिन तक अपने खातों की जांच करती रहीं, लेकिन किसी के खाते में राशि नहीं पहुंची। जब महिलाएं अगले दिन कार्यालय पहुंचीं तो वहां ताला लटका मिला। कार्यालय बंद मिलने के बाद महिलाओं ने मकान मालिक से जानकारी ली। मकान मालिक ने बताया कि कार्यालय संचालित करने वाले लोग ताला लगाकर चले गए हैं।

बताया जाता है कि कार्यालय के लिए भवन किराये पर लेने संबंधी कुछ दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन कंपनी के प्रतिनिधियों का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद बड़ी संख्या में महिलाएं आक्रोशित हो गईं और नवगछिया साइबर थाना पहुंचकर हंगामा करने लगीं। साइबर थाना में पहुंची महिलाओं ने आरोप लगाया कि उन्होंने व्यवसायिक ऋण की उम्मीद में कई जगहों से उधार लेकर या ब्याज पर पैसे उठाकर कंपनी को राशि दी थी। अब उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। साइबर थाना पहुंचे पीड़ितों में कई महिलाएं रोती-बिलखती नजर आईं। फिलहाल साइबर थाना में ऑनलाइन लेन-देन से संबंधित विवरण एकत्र किए जा रहे हैं तथा पीड़ित महिलाओं से आवेदन लिया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कंपनी के नाम पर कार्य कर रहे तीन-चार युवकों ने विभिन्न क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को अपने जाल में फंसाया और कथित रूप से लाखों रुपये की ठगी को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि प्राप्त आवेदन और बैंकिंग लेन-देन के आधार पर मामले की जांच की जाएगी तथा दोषियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, 1733 किलो गांजा किया जब्त

सुपौल जिले के वीरपुर अनुमंडल क्षेत्र में मादक पदार्थ की तस्करी का बड़ा खुलासा

AGENCY SUPAUL : भारत-नेपाल सीमा से सटे सुपौल जिले के वीरपुर अनुमंडल क्षेत्र में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1733.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 6 करोड़ 93 लाख 44 हजार रुपये आंकी गई है। इस कार्रवाई के बाद सीमा क्षेत्र में सक्रिय तस्करी गिरोहों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार 45वीं वाहिनी एसएसबी वीरपुर की सीमा चौकी सतना को पिछले कुछ दिनों से सूचना मिल रही थी कि तस्कर नेपाल के रास्ते बड़ी मात्रा में गांजे की खेप भारत लाने की तैयारी कर



बरामद गांजा के साथ सीमा सुरक्षा बल के जवान

रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसबी ने सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी थी और लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा था। शुक्रवार देर रात दत्ता टोला क्षेत्र में तैनात एसएसबी जवानों ने एक संदिग्ध नेपाली नंबर प्लेट वाले वाहन को आते देखा। जवानों ने वाहन को रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और सुरक्षा बल के जवानों को कुचलने का प्रयास किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसएसबी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बोलेरो कैंपर वाहन को रोक लिया। हालांकि चालक तथा अन्य तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे 47 प्लास्टिक के बोरों से कुल 1733.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके बाद जब्त वाहन और गांजे को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों के हवाले कर दिया गया। 45वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट जगदीश कुमार शर्मा ने बताया कि सीमा क्षेत्र में तस्करी रोकने के लिए एसएसबी लगातार सतर्क है और खुफिया सूचनाओं के आधार पर अभियान चलाया जा रहा है। एसएसबी पूर्णिया रेंज के डीआईजी मधुकर अमिताभ ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

शहजाद अली हत्या मामले में दो और नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

SIWAN : जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव में हुए शहजाद अली हत्याकांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक पुरन कुमार झा ने आज बताया कि कांड के अग्रेतर अनुसंधान के क्रम में तकनीकी साक्ष्य एवं मानवीय सूचना के आधार पर घटना में संलिप्त दो अन्य नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी पुरन कुमार झा ने बताया कि 30 मई 2026 को शिवराजपुर गांव निवासी शहजाद अली की हत्या की सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया था। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल टीम को भी लगाया गया तथा महत्वपूर्ण



जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

साक्ष्य एकत्र किए गए। इसके बाद बड़हरिया थाना कांड संख्या 230/26 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि हत्याकांड के त्वरित उद्भेदन के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-01 के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच के दौरान पहले ही तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि दो विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया है।

निजी विद्यालय परिसर में संदिग्ध परिस्थिति में मासूम छात्र की मौत

AGENCY MADHEPURA : जिले में मुरलीगंज थाना क्षेत्र के खारी गांव स्थित एक आवासीय स्कूल में रविवार सुबह 6 साल के छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्र का शव शौचालय के पास पाइप से बंधा हुआ मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद स्कूल संचालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान पोखराम परमानंदपुर वार्ड-10 निवासी रामानंद यादव के पुत्र आनंद प्रेम (6) के रूप में हुई है। वह यूकेजी का छात्र था। पिछले करीब छह महीने से खारी स्थित आवासीय जेडी पब्लिक स्कूल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की दादी ने आरोप



घर में बिलखते परिजन व अन्य

लगाया कि उनके पोते की हत्या कर शव को स्कूल के शौचालय के पास पाइप से बांध दिया गया था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद स्कूल संचालक ने शव को घर पहुंचा दिया था। इसके बाद हमलोग शव को लेकर स्कूल पहुंचे। स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र मनीष कुमार और आकाश कुमार ने बताया कि रात करीब 12 बजे दो अज्ञात व्यक्ति स्कूल परिसर में आए थे। उन लोगों ने आनंद प्रेम के गले में रस्सी बांध दी थी। शौचालय के पास छोड़कर स्कूल के पीछे की ओर से भाग गए। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक जेडी पब्लिक स्कूल पिछले लगभग पांच साल से संचालित हो रहा है। घटना के बाद से स्कूल संचालक सुनील कुमार फरार बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही मुरलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

लापता किशोरी माधुरी की तलाश में पुलिस की जांच तेज, एसआईटी गठित

KISHANGANJ : सदर थाना क्षेत्र के दिलावरगंज से 3 जून से लापता किशोरी माधुरी कुमारी की तलाश में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष जांच दल (एसआईट) का गठन किया है, जो विभिन्न पहलुओं पर गहन जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए तकनीकी और मानवीय दोनों स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसडीपीओ-1 खुसरू सिराज ने लापता किशोरी के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार संभावित सुरागों पर काम कर रही है और जांच को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस बीच किशोरी के लापता होने के मामले में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) भी सक्रिय हो गया है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली।

बसंतपुर में पटीदारों के बीच खूनी संघर्ष किशोर समेत तीन गंभीर रूप से घायल

AGENCY SIWAN : जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के महमदा गांव के टोला में रविवार की सुबह पूर्व से चले आ रहे विवाद को लेकर दो पट्टीदारों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस घटना में एक किशोर समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को उपचार के लिए बसंतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, सीवान रेफर कर दिया। घायलों की पहचान महमदा गांव निवासी स्वर्गीय नागेश्वर सिंह के 47 वर्षीय पुत्र अरुण सिंह, 45 वर्षीय विजय सिंह तथा विजय सिंह



अस्पताल में इलाजरत घायल

के 15 वर्षीय पुत्र अनुज कुमार के रूप में हुई है। घायलों ने आरोप लगाया है कि पूर्व से चले आ रहे आपसी विवाद और रंजिश के कारण उनके पट्टीदारों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। उनका कहना है कि हमलावरों ने कुल्हाड़ी सहित अन्य धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया। हमले में विजय सिंह के माथे और कान पर गंभीर चोटें आईं, जिससे काफी रक्तस्राव हुआ। वहीं, अनुज कुमार के माथे पर कुल्हाड़ी से वार किए जाने के कारण गंभीर जख्म हो गया और उसे कई टांके लगाने पड़े। अरुण सिंह भी हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पीड़ित पक्ष ने घटना के लिए अपने पट्टीदारों को जिम्मेदार ठहराया है। आरोपितों में महमदा गांव निवासी स्वर्गीय अनिरुद्ध सिंह के पुत्र रामेश्वर सिंह, उनके पुत्र कुनु सिंह तथा गोरेयाकोठी थाना क्षेत्र के लाखो टोला निवासी स्वर्गीय संतोष सिंह के पुत्र आकाश सिंह और सूरज कुमार के नाम शामिल हैं। बताया जाता है कि आकाश सिंह और सूरज कुमार अपने ममहर महमदा गांव में रह रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही बसंतपुर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है, जिसे देखते हुए पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इस संबंध में थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष से आवेदन प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

आयोजन नवादा में शुरू हुई शूटिंग, पारू एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा निर्माण

ग्रामीण सपनों की कहानी कहेगी शॉर्ट फिल्म 'गांव से एआई तक'

AGENCY NAWADA : बिहार की पहली ऐसी पंचायत बनने का गौरव प्राप्त करने वाली नवादा जिले के ओरैना पंचायत, जिसने अपने प्रतिभाशाली बच्चों को बिहार एआई समिट 2026 में भाग लेने के लिए भेजकर एक नया इतिहास रचा, अब उसी प्रेरणादायक यात्रा को बड़े पर्दे पर उतारने जा रही है। इस ऐतिहासिक पहल पर आधारित बहुप्रतीक्षित शॉर्ट फिल्म 'गाँव से एआई तक' का शुभ मुहूर्त रविवार को नवादा स्थित द सेलिब्रेशन होटल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर फिल्म से जुड़े कलाकारों, सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का उद्घाटन नवादा नगर परिषद की मुख्य पार्षद



फिल्म के बारे में जानकारी देते निर्माता-निर्देशक

पिंकी कुमारी ने किया। वहीं पूर्व मुख्य पार्षद संजय साव उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे।

फिल्म 'गाँव से एआई तक' बिहार के ग्रामीण क्षेत्र के उन प्रतिभाशाली बच्चों की वास्तविक प्रेरक यात्रा पर आधारित है, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद 'बिहार एआई समिट 2026 में भाग लेकर नई तकनीकी दुनिया से परिचय प्राप्त किया।

फिल्म में यह दिखाया जाएगा कि किस प्रकार बच्चों और उनके अभिभावकों को जागरूक कर उन्हें इस महत्वपूर्ण सम्मेलन तक पहुँचाया गया तथा इसके लिए आवश्यक संसाधनों और सहयोग की व्यवस्था की गई।

फिल्म का निर्देश- सागर इंडिया' कर रहे हैं, जबकि इसके निर्माता- संजय साव' हैं। फिल्म का निर्माण पारू एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया जा रहा है तथा बिहार छात्र संसद इस परियोजना से सहयोगी संस्था के रूप में जुड़ी हुई है। कास्टिंग की जिम्मेदारी काशिका कास्टिंग ने संभाली है।

फिल्म की स्टार कास्ट में सागर इंडिया, अनुराधा पंडित, राज लक्ष्मी, आदित्य आर्यन और प्रशांत मानव प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में प्रशांत मानव का किरदार ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को तकनीकी शिक्षा और अवसरों से जोड़ने वाले एक प्रेरक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में दिखाई देगा।

फिल्म निर्माताओं के अनुसार 'गाँव से आई तक' केवल एक शॉर्ट फिल्म नहीं, बल्कि ग्रामीण युवाओं के सपनों, शिक्षा, तकनीकी नवाचार और बदलते भारत की कहानी है।

सड़क दुर्घटना में 12 वर्षीय बच्चे की मौत मुआवजे की मांग को लेकर रोड जाम

AGENCY BHAGALPUR : जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार को एक सड़क हादसे में 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान टीएनबी कॉलेजिएट के समीप रहने वाले राजीव पासवान के पुत्र अस्मित कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अस्मित किसी सामान की खरीदारी के लिए घर से निकला था। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित सीएनजी ऑटो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ऑटो चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेते हुए ऑटो को जब्त कर लिया। घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित परिजन और स्थानीय लोगों ने नया बाजार चौक पर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया और मृतक के परिजन को उचित मुआवजा देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जब तक उन्हें मुआवजा और न्याय नहीं मिलेगा, तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा। जाम की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने लोगों को शांत कराकर यातायात बहाल कराने की कोशिश की। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

ई-रिक्शा की टक्कर से वृद्ध की मौत

NAWADA : जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के महुडर पंचायत अंतर्गत फरकी पत्थर गांव में रविवार को एक सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान फरकी पत्थर गांव निवासी पाचू तुरिया के 62 वर्षीय पुत्र राजकुमार तुरिया के रूप में की गई है। स्वजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार तुरिय बाजार से खरीदारी कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पार करने के क्रम में तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौआकोल लाया गया,जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कौआकोल थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। वृद्ध की मौत की खबर मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा दुर्घटना में शामिल ई-रिक्शा और उसके चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

योगी आदित्यनाथ ने बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर

भगवद्गीता में कहा गया है- कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। वस्तुतः यह एक ऐसी जीवन-दृष्टि है,जो सहस्राब्दियों से भारतीय चेतना को आलोकित करती आई है। इस दर्शन को जब कोई जननेता आत्मसात करता है तो उसका पूरा व्यक्तित्व कर्मयोगी के रूप में परिलक्षित होने लगता है, जिसके लक्ष्य में लोक कल्याण के अलावा कुछ नहीं रहता। एक समय था, जब उत्तर प्रदेश में सत्ता को अधिकार और भोग का साधन समझा जाता था, पिछले लगभग एक दशक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अविचल कर्तव्य पथ पर चलना इस बात का ज्वलंत प्रतीक है कि कर्मयोग केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, व्यवस्था सुधार का माध्यम भी है। योगी की जीवनशैली बताती है कि शासन उनके लिए आध्यात्मिक साधना का विस्तार है, जिसका प्रतिफल उत्तर प्रदेश की प्रगति के रूप में देखने को मिल रहा है। एक कर्मयोगी ही उत्तर प्रदेश जैसे विविधताओं से भरे और देश की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले राज्य को बीमारू श्रेणी से निकालकर विकास के पथ पर ला सकता है। कर्मयोग का प्रथम सोपान है स्वयं का अनुशासन। कर्मयोगी शासक की पहचान उसकी दिनचर्या से होती है। प्रातःकाल ब्रह्ममुहूर्त में उठना, नित्य पूजा-अर्चना, और उसके पश्चात बिना विराम लिए प्रशासनिक कार्यों में डूब जाना। परिस्थितियां कैसी भी हों, कर्मयोगी अनुशासन से समझौता नहीं करता। उदाहरण के लिए मुख्यमंत्री योगी के सिंगापुर व जापान दौरे में उनकी दिनचर्या को लिया जा सकता है, जहां समय की प्रतिकूलता के बावजूद उन्होंने अपने एक-एक क्षण का उपयोग किया। इसमें कोई संशय नहीं कि जो व्यक्ति स्वयं अनुशासित होता है, वही व्यवस्था में अनुशासन स्थापित कर सकता है। यह व्यावहारिक सत्य है कि प्रशासनिक मशीनरी किसी उदाहरण का अनुसरण करने के लिए तभी बाध्य होती है, जब नेतृत्व स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करे। दशकों से अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार में जकड़ी नौकरशाही में आज यदि जवाबदेही का बोध है तो यह नेतृत्व शैली का ही परिणाम है। योगी की जीवन यात्रा कर्मयोग का अप्रतिम उदाहरण है, जो उन्हें विशिष्ट राजनेता बनाती है। गोरक्ष पीठ की सुदीर्घ परंपरा में अपना जीवन उन्होंने उस समय संन्यास को समर्पित किया जब आयु और परिस्थितियां उन्हें संसार के आकर्षणों में खींच सकती थीं। सेवा और लोक-कल्याण गोरक्ष पीठ की परंपरा रही है। समाज के उपेक्षित वर्गों की सेवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य पीठ की प्रतिबद्धता है। इस संस्कार में पले-बढ़े योगी आदित्यनाथ जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे, तो उनकी मानसिकता में ही सेवा थी। व्यक्तिगत जीवन में सादगी, संयम और त्याग उनके व्यक्तित्व के अंतर्निहित अंग हैं। वह सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व के रूप में देखते हैं और यह दृष्टि ही कर्मयोग का मूल है। गीता में कहा गया है कि आसक्ति रहित होकर निरंतर कर्तव्य का पालन करने वाला व्यक्ति श्रेष्ठ लक्ष्य को प्राप्त करता है। कोविड महामारी का दौर योगी की सबसे बड़ी परीक्षा थी, परंतु योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने प्रबंधन का श्रेष्ठ लक्ष्य हासिल किया। त्वरित निर्णय क्षमता, केंद्रीकृत निगरानी तंत्र और ग्राम स्तर तक निगरानी का विस्तार, इन उपायों ने महामारी की स्थिति को नियंत्रण में रखा। यह कर्मयोग का प्रशासनिक स्वरूप है। कानून-व्यवस्था को शासन की पहली प्राथमिकता बनाना भी इसी दृष्टि का प्रतिफल है। प्रदेश की जड़ों को सालों से खोखला कर रहे माफिया तंत्र के विरुद्ध निर्णायक कदम ने प्रदेश की पूरी छवि ही बदल दी। श्रेष्ठ लक्ष्य की परिभाषा में समाज का उत्थान, व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण भी है। उत्तर प्रदेश में तकनीक-आधारित शासन का विस्तार, सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के प्रयास व्यवस्था की मजबूती के व्यावहारिक रूप हैं। निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, एक्सप्रेसवे का जाल, ये सब उस विकास-दर्शन के अंग हैं जो सामाजिक परिवर्तन से जुड़ते है। गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं पर केंद्रित योजनाएं पं। दीन दयाल उपाध्याय की दार्शनिक विरासत अंत्योदय की भावना को मूर्त रूप देती हैं। जब परिवर्तन बड़ा होता है, तो अपेक्षाएं भी उसी गति से बढ़ती हैं। योगी से समाज को अभी भी बहुत अपेक्षाएं हैं। हालांकि एक कर्मयोगी की राह कभी रुकती नहीं। दृष्टि स्पष्ट हो तो हर लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। समृद्ध समाज वही होता है जो अपनी जड़ों से जुड़ा हो। जब कोई समाज अपनी विरासत पर गर्व करता है, तो वह आत्मविश्वास से भविष्य की चुनौतियों का सामना करता है। सांस्कृतिक चेतना और शासन का समन्वय कोई कर्मयोगी ही कर सकता है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ-साथ उस पूरे क्षेत्र का अवसंरचनात्मक विकास, काशी विश्वनाथ धाम का पुनरोद्धार, मथुरा-वृंदावन का सौंदर्यीकरण, विकास और विरासत के साथ-साथ चलने के प्रमाण हैं। पहले इस बात की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी कि धर्म भी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा अवलंब हो सकता है। लेकिन, आज यदि छोटे-छोटे धार्मिक स्थल भी स्थानीय अर्थव्यवस्था की धुरी बने हुए हैं तो यह सांस्कृतिक चेतना का नया अध्याय है। लोकतंत्र में कर्मयोग का अर्थ है जनता के प्रति निरंतर, निष्काम और निर्भीक उत्तरदायित्व। जब हम योगी आदित्यनाथ के शासन को कर्मयोग की कसौटी पर देखते हैं, तो उसमें आध्यात्मिक अनुशासन और प्रशासनिक सक्रियता का अद्भुत मेल दिखाई देता है। सत्ता की राजनीति से ऊपर कर्तव्य की राजनीति का संदेश आज के राजनीतिक विमर्श में सभी जननेताओं के लिए अनुकरणीय है। योगी की दृष्टि में राजधर्म और मानवधर्म अलग नहीं हैं।

अब पश्चिम बंगाल में विकास की रफ्तार तेज होने की प्रबल संभावना

ANALYSIS



✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लगभग 25 हजार करोड़ रुपये की यह परियोजना वर्षों तक फाइलों में कैद रही, पर अब सत्ता परिवर्तन के बाद इसे प्राथमिकता दिए जाने की संभावना बहुत बढ़ गई है। यह पोर्ट भविष्य में पूरे पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला इंजन बन सकता है। इसके जरिए बड़े जहाज सीधे बंगाल के तट पर पहुंच सकेंगे, जिससे व्यापार की लागत घटेगी और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी। ताजपुर पोर्ट के साथ-साथ सड़क, रेल और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है। कोलकाता बंदरगाह और हल्दिया बंदरगाह पर दबाव कम होगा, जिससे माल ढुलाई अधिक सुगम होगी। यदि मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को सही तरीके से लागू किया गया, तो बंगाल पूर्वी भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक हब बन सकता है। दूसरी ओर मोदी सरकार ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष बने अर्थशास्त्री व पूर्व भाजपा विधायक अशोक लाहिड़ी को राज्य की औद्योगिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। नीति आयोग के सदस्य लाहिड़ी का कहना है, बंगाल के लिए एक व्यापक और दीर्घकालिक औद्योगिक विकास खाका तैयार किया जा रहा है, जिसमें उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने, आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण, नदी आधारित व्यापार को प्रोत्साहन देने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर विशेष जोर होगा।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का बदलाव एक नई आर्थिक सोच, नई दिशा और नए आत्मविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। लंबे समय से निवेशकों के मन में जो संदेह था, जिसमें कि सबसे अधिक नीतियों की अनिश्चितता, प्रोजेक्ट्स का अटकना और राजनीतिक खींचतान रही, अब वह धीरे-धीरे खत्म होता नजर आ रहा है। वहीं, राज्य की अर्थव्यवस्था में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री की अगुआई वाले नीति आयोग ने राज्य के पुनः औद्योगीकरण के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दरअसल, भाजपा के सत्ता मे आते ही राज्य एक ऐसे मोड़ पर आ खड़ा है, जहां से विकास की रफ्तार तेज होने की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। इस परिवर्तन की सबसे ठोस मिसाल बना है ताजपुर बंदरगाह। लगभग 25 हजार करोड़ रुपये की यह परियोजना वर्षों तक फाइलों में कैद रही, पर अब सत्ता परिवर्तन के बाद इसे प्राथमिकता दिए जाने की संभावना बहुत बढ़ गई है। यह पोर्ट भविष्य में पूरे पूर्वी भारत की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला इंजन बन सकता है। इसके जरिए बड़े जहाज सीधे बंगाल के तट पर पहुंच सकेंगे, जिससे व्यापार की लागत घटेगी और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी। ताजपुर पोर्ट के साथ-साथ सड़क, रेल और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करने की योजना है। कोलकाता बंदरगाह और हल्दिया बंदरगाह पर दबाव कम होगा, जिससे माल ढुलाई अधिक सुगम होगी। यदि मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को सही तरीके से लागू किया गया, तो बंगाल पूर्वी भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक हब बन सकता है।



दूसरी ओर मोदी सरकार ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष बने अर्थशास्त्री व पूर्व भाजपा विधायक अशोक लाहिड़ी को राज्य की औद्योगिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। नीति आयोग के सदस्य लाहिड़ी का कहना है, बंगाल के लिए एक व्यापक और दीर्घकालिक औद्योगिक विकास खाका तैयार किया जा रहा है, जिसमें उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने, आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण, नदी आधारित व्यापार को प्रोत्साहन देने और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन पर विशेष जोर होगा। उन्होंने कहा, इसके साथ ही कोलकाता को भारत की एक्ट ईस्ट नीति के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करने की रणनीति भी बनाई जा रही है। कभी देश के सबसे समृद्ध राज्यों में गिने जाने वाला बंगाल आज औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में अपनी पुरानी पहचान से काफी पीछे छूट गया है। ऐसे में उसे पुनः उसके पुराने विकसित स्वरूप में वापिस लाना ही हमारा लक्ष्य है। इस संबंध में एचएलबीसी के मैनेजिंग डारेक्टर, उत्पाद समूह इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया आईटी प्रोडेक्ट चेयरमेन मितेश लोकवानी ने कहा, जब केंद्र और राज्य में एक ही दल भारतीय जनता पार्टी की सरकार होती है, तो नीतिगत तालमेल बेहतर होता है। यही डबल इंजन मॉडल अब बंगाल में लागू होने की उम्मीद है। इससे इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं गति पकड़ती हुई जल्द दिखाई देंगी। उन्होंने कहा, यदि राज्य की शुभेंदु सरकार विषय विशेषज्ञों की टीम बनाकर प्लानिंग पार्ट पर सही दिशा में योजना बनाकर चरण बद्ध तरीके से आगे बढ़ेगी तो उसे बहुत अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। इसके लिए पश्चिम बंगाल सरकार को चाहिए कि वह एक टास्क फोर्स बनाएं। मितेश लोकवानी कहते हैं, कर्नाटक सरकार ने उद्योगों और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। यह एयरोस्पेस और रक्षा (अंतरिक्ष तकनीक और ड्रोन सहित) इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर, पूंजीगत सामान और रोबोटिक्स, ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), तकनीकी और मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) आधारित कपड़ा उद्योग, उपभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी, जूते और खिलौने सहित) पर विशेष ध्यान देने में सफल रही है। ऐसा ही प्रयोग आज बंगाल में किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में बहुत कुछ गुजरात की उद्योगिक नीति के अध्ययन से भी सीखा जा सकता है। इसके कारण आज गुजरात देश में उद्योग का हब और लीडर बना हुआ है। वे कहते हैं कि राजनीतिक स्थिरता और स्पष्ट नीतियां निवेशकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण होती हैं। पहले अडाणी पोर्ट्स और विशेष आर्थिक क्षेत्र जैसे बड़े निवेशकों के साथ हुए उतार-चढ़ाव ने भरोसा कमजोर किया था, लेकिन अब उद्योग जगत में उत्साह देखा जा रहा है। निवेशक यह मानकर चल रहे हैं कि अब प्रोजेक्ट्स बीच में नहीं रुकेंगे और नीतियां लंबे समय तक स्थिर रहेंगी। वरिष्ठ पत्रकार संतोष मधुप का कहना है, सत्ता परिवर्तन के बाद से राज्य के लोगों में कुछ अच्छा होने की उम्मीद जगी है। इस उम्मीद पर खरे उतरना शुभेंदु सरकार की पहली प्राथमिकता होगी, इसमें कोई संदेह नहीं। हालांकि पिछली सरकारों ने विगत 4-5 दशकों में राज्य की जो दुर्गति की है। उससे बाहर निकलने के लिए निरंतर और सुनियोजित प्रयास की आवश्यकता है। उद्योग, वाणिज्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और कार्य संस्कृति में व्यापक सुधार की गुंजाइश स्पष्ट नजर आती है। मधुप कहते हैं, अच्छी बात यह है कि नई सरकार इन चुनौतियों को भली भांति समझती है। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद से शुभेंदु सरकार ने जिस तरह एक के बाद एक बड़े फैसले लिए हैं, उससे साफ है कि सरकार के इरादे मजबूत हैं और वह बंगाल की जनता की बेहतरी के लिए कठोर फैसले लेने में भी संकोच नहीं कर रही। प्रचंड बहुमत से सत्ता में आई नई सरकार और उसके मुखिया शुभेंदु अधिकारी को आगे भी अपना यह बोल्ड इमेज बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा, अगर सब कुछ सही दिशा में चला तो आने वाले वर्षों में बंगाल फिर से भारत के औद्योगिक मानचित्र पर चमक सकता है, जहां विकास के द्वार खुलेंगे और निवेश की नई गाथा लिखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि एक समय था जब कोलकाता देश का औद्योगिक केंद्र हुआ करता था, लेकिन वामपंथी शासन के दौरान बढ़ते ट्रेड यूनियनवाद और लगातार हड़तालों ने उद्योगों को कमजोर कर दिया। इसके बाद सिंगूर और नंदीग्राम जैसे आंदोलनों ने निवेशकों के भरोसे को और चोट पहुंचाई। टाटा मोटर्स की नैनो परियोजना का राज्य से बाहर जाना इसका बड़ा उदाहरण है। जब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप संस्कृति के साथ आगे बढ़ रहे थे, तब बंगाल नीतिगत उलझनों में फंसा रहा। परिणामस्वरूप, निवेश और प्रतिभा दोनों का पलायन हुआ।

पूरी दुनिया में सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बन रहा भारत

दुनिया की बदलती आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और स्थिर बाजार के रूप में उभर रहा है। अमेरिकी कंपनियों द्वारा पिछले छह महीनों में भारत में 60 अरब डॉलर से अधिक निवेश की प्रतिबद्धता निश्चित ही भारत की बढ़ती वैश्विक साख का प्रमाण है। वस्तुतः वर्तमान में अमेजन, गूगल, सेमीकंडक्टर कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट समूहों की भारत में बढ़ती दिलचस्पी यह दर्शाती है कि वैश्विक निवेशक अब चीन केंद्रित मॉडल से हटकर भारत को दीर्घकालिक आर्थिक केंद्र के रूप में देख रहे हैं। अच्छी बात यह है कि व्यापक रूप में यह बदलाव तकनीक, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। कहना होगा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आर्थिक सुधारों, डिजिटल ढांचे और स्थिर नीतियों के जरिए अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीता है। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा भी है, भारत ऐसा आर्थिक ढांचा प्रदान करता है जहां पैमाना, प्रतिभा और बाजार तीनों एक साथ उपलब्ध हैं। भारत के पास 1.4 अरब की विशाल आबादी, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और डिजिटल उपभोक्ता बाजार है। बढ़ती आय और उपभोग क्षमता विदेशी कंपनियों को आकर्षित कर रही है। अमेरिकी कंपनियां यह समझ चुकी हैं कि भारत केवल उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि उपभोक्ता अर्थव्यवस्था का भी सबसे बड़ा भविष्य है। यही कारण है कि अमेरिका सहित दुनिया की बड़ी कंपनियां भारत में दीर्घकालिक निवेश को सुरक्षित मान रही हैं। गूगल और अमेजन जैसी टेक कंपनियों द्वारा भारत में बड़े डेटा सेंटर स्थापित करने की योजनाएं इस भरोसे का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। डेटा लोकलाइजेशन, क्लाउड सर्विस और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग भारत को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का वैश्विक हब बना रही है। अमेरिकी कंपनियों की ओर से आए 60 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। यह निवेश आईटी सेक्टर के साथ ही विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक फैला हुआ है। भारत ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, पारदर्शी कारोबारी माहौल और तेज निर्णय प्रक्रिया के जरिए विदेशी निवेशकों को भरोसा दिया है। इस बीच यह भी एक सच है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय कई चुनौतियों से जूझ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, ऊंची महंगाई और डॉलर की मजबूती ने अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर तक कमजोर हुआ है, किंतु जैसा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि भारत सरकार पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न आर्थिक उपायों पर काम किया जा रहा है। उनका विश्वास है कि भारत इस कठिन दौर से भी विजेता बनकर उभरेगा। वस्तुतः भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी घरेलू मांग और मजबूत सेवा अर्थव्यवस्था है। दुनिया के कई देशों में जहां आर्थिक मंदी की आशंका है, वहीं भारत आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया पांच देशों की यात्रा ने भारत के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत किया है। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण निवेश और रणनीतिक समझौते हुए। यूएई ने भारत में लगभग पांच अरब डॉलर के नए निवेश का ऐलान किया। वहीं, कुल नए निवेश और व्यापार विस्तार योजनाओं का अनुमानित मूल्य लगभग 40 अरब डॉलर बताया गया। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 50 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इन कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर के करीब माना जा रहा है। यह तथ्य अपने आप में दशार्ता है कि भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर कितना महत्वपूर्ण बन चुका है। आज सरकार का फोकस भविष्य की तकनीकों पर है। सेमीकंडक्टर निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ग्रीन हाइड्रोजन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से निवेश बढ़ रहा है। नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर और ग्रीन हाइड्रोजन पर रणनीतिक साझेदारी इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। वहीं स्वीडन और इटली के साथ टेक्नोलॉजी एवं रक्षा सहयोग भारत की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देगा। भारत में पहले से मौजूद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कुल निवेश और कारोबार लगभग 180 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। अब ये कंपनियां अपने परिचालन का और विस्तार करना चाहती हैं। इसका सीधा लाभ रोजगार, तकनीकी विकास और निर्यात वृद्धि के रूप में भारत को मिलेगा। ऐसे में कहना यही होगा कि वर्तमान भारत को दुनिया एक विकासशील देश से कहीं आगे खाद्य सुरक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और टिकाऊ विकास के मॉडल के रूप में देख रही है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोबाइल निर्माण, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है।विदेशी निवेश का लगातार बढ़ता प्रवाह यह संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में और मजबूत होगा। वस्तुतः 60 अरब डॉलर का अमेरिकी निवेश, 40 अरब डॉलर की नई व्यापार योजनाएं, यूएई का 5 अरब डॉलर निवेश और 180 अरब डॉलर का मौजूदा विदेशी कारोबारी आधार, ये सभी आंकड़े भारत की आर्थिक ताकत को प्रमाणित करते हैं। अतः स्वभाविक तौर पर स्पष्ट है कि भारत अब अवसरों का वास्तविक केंद्र बन चुका है। हम उम्मीद करें कि वैश्विक कंपनियों का बढ़ता भरोसा इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक में भारत विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाले देशों में अग्रणी भूमिका जरूर निभाएगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 जीतने पर हार्दिक बधाई! हमारी महिला फुटबॉल खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण कौशल, दृढ़ संकल्प और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। मुझे विश्वास है कि उनकी यह उल्लेखनीय उपलब्धि देशभर की युवा लड़कियों को आत्मविश्वास और साहस के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।



(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

हम प्रख्यात अभिनेता श्री सलीम कुमार जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। अपने शानदार अभिनय करियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न किरदारों और अविस्मरणीय प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी अनूठी पहचान बनाई। इस दुख की घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सार्थक 18 साल का है- पर सोच, साहस और सिद्धांत में किसी से कम नहीं। उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो कर दिखाया जो देश के बड़े मीडिया हाउस, खोजी पत्रकार नहीं कर पाए- सीबीएसई और प्रतियोगिता की मिलीभगत को देश के सामने रख दिया। मोदी जी चाहते हैं हमारे युवा रील्स बनाते रहें, पकौड़े तलते रहें, सवाल न पूछें, आँखें न खोलें। पर इन बच्चों ने सवाल भी पूछे। और जवाब भी ढूँढ निकाले। देश का 18 साल का बच्चा सीबीआई से तेज निकला- नौजवानों की ये जीत सही मायने में सरकार की हार है।



(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नक्सलवाद की ढहती दीवारें और मध्य प्रदेश की रणनीतिक जीत

भारत में नक्सलवाद लंबे समय तक आंतरिक सुरक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है। जंगलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में फैला यह लाल आतंक केवल हिंसा तक सीमित नहीं था, बल्कि उसने विकास, लोकतंत्र और जनविश्वास को भी प्रभावित किया। मध्य प्रदेश का बालाघाट क्षेत्र भी वर्षों तक इस चुनौती से जूझता रहा। लेकिन, अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। मध्य प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ जिस प्रभावी रणनीति और दृढ़ संकल्प के साथ अभियान चलाया है, वह आज पूरे देश के लिए एक मॉडल बनता दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन के पीछे मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्पष्ट नेतृत्व और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी गंभीर सोच महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगातार यह संदेश दिया कि प्रदेश में विकास और सुरक्षा साथ-साथ चलेंगे तथा नक्सलवाद जैसी चुनौती को किसी भी स्थिति में बढ़ने नहीं दिया जाएगा। उनके मार्गदर्शन में सुरक्षा एजेंसियों को बेहतर समन्वय, संसाधन और आधुनिक रणनीति के साथ कार्य करने का अवसर मिला। इसी के साथ पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के नेतृत्व ने नक्सल विरोधी अभियान को नई दिशा दी। उन्होंने केवल ऑपरेशन आधारित दृष्टिकोण तक सीमित न रहकर इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने, सीमावर्ती राज्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने और हॉक फोर्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं संसाधनों से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सली गतिविधियों पर लगातार प्रभावी प्रहार किए और उनके नेटवर्क को कमजोर करने में सफलता प्राप्त की। मध्य प्रदेश पुलिस की इसी उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने बस्तर में आयोजित उद्घोष बस्तर कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाणा, वरिष्ठ अधिकारियों और हॉक फोर्स के जवानों को सम्मानित किया। यह सम्मान नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। पिछले दो वर्ष की उपलब्धियां बताती हैं कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच सात बड़ी मुठभेड़ हुईं, जिनमें कई इनामी नक्सली मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार जब्त किए गए। वर्ष 2025 में यह अभियान और अधिक प्रभावी हुआ, जब दस बड़ी मुठभेड़ में दस माओवादी ढेर किए गए। यह किसी एक वर्ष में मारे गए माओवादियों की सर्वाधिक संख्या मानी जा रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब नक्सली संगठनों का मनोबल टूटता दिखाई दे रहा है। कई बड़े माओवादी कमांडरों ने आत्मसमर्पण किया है। यह केवल सुरक्षा बलों की सामरिक सफलता नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी नक्सलवाद की पराजय का संकेत है। हालांकि यह सफलता आसान नहीं थी। 1991 से लेकर अब तक नक्सलियों ने कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया, जिनमें अनेक पुलिसकर्मी शहीद हुए। लैंडमाइन ब्लास्ट, घात लगाकर किए गए हमले और राजनीतिक हत्याओं ने प्रदेश को लंबे समय तक प्रभावित किया। लेकिन, सुरक्षा बलों के साहस और नेतृत्व की दृढ़ता ने परिस्थितियों को बदल दिया। आज मध्य प्रदेश में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और बारूद का वातावरण था, वहां अब विकास, शिक्षा और विश्वास की नई रोशनी दिखाई दे रही है। यह उपलब्धि केवल पुलिस या सरकार की सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र और जनविश्वास की विजय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन, डीजीपी कैलाश मकवाणा के कुशल नेतृत्व और हॉक फोर्स के जवानों के अदम्य साहस ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, रणनीतिक सोच और जमीनी कार्रवाई एक साथ हों, तो सबसे कठिन आंतरिक चुनौती पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।

देश और विदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोप नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली यात्रा का एक बहुमुखी एजेंडा था। इस यात्रा के अधिकांश भाग की योजना पिछले साल ही बन गई थी, जिसमें भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन भी शामिल था, जिसे साल 2025 के पहलगाम हमले और संघर्ष के बाद रद्द कर दिया गया था। यह यात्रा उन भारत-यूरोप संबंधों पर नये जोर के बीच हुई जो महाशक्तियों के व्यवहार को लेकर बढ़ती चिंता के दौर में बने हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले और अमेरिका-इजरायल के ईरान के साथ संघर्ष से लेकर चीन के जोर-जबरदस्ती वाले आर्थिक कदमों तक इनमें से सब के सब अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था को चुनौती देते हैं। पिछले साल लागू हुआ भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता और इस साल के आखिर में संपुष्ट/हस्ताक्षरित होने वाला भारत-ईयू एफटीए सप्लाई चेनों और बाजारों में विविधता लाने की साझा इच्छा को दिखाते हैं। खास तौर पर उन नॉर्डिक देशों के साथ, जहां भारत के संग होने वाला द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब डॉलर के नीचे बना हुआ है। अंततः यह दौरा ऐसे समय में भी हुआ जब चंद दिन पहले ही मोदी ने विदेशी मुद्रा और ऊर्जा संरक्षण के लिए किफायत पर नए सिरे से जोर दिया। यूएई में दीर्घकालिक रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्वों पर और नॉर्डिक-भारत शिखर सम्मेलन में हरित रणनीतिक साझेदारियों पर हुई चचाओं का लक्ष्य ऊर्जा सुरक्षा पर सहयोग को आगे ले जाना था। मोदी के हरेक पड़ाव पर यूक्रेन और ईरान संघर्षों पर स्वस्थ चर्चा, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातचीत शामिल रही। एआई गवर्नेंस और क्रिटिकल मिनरल संबंधी पहलों पर भी फोकस था। नॉर्डिक देशों ने जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हुए आर्कटिक में वैज्ञानिक सहयोग और समुद्री (मैरिटाइम) सहकार पर फोकस किया। इन दौरों से कुछ खास ठोस नतीजे या वास्तविक व्यापार समझौते हासिल नहीं हुए, लेकिन दोस्ताना माहौल और मोदी को दिये गये पुरस्कारों ने ज्यादा गहरे भारत-यूरोप सहयोग की उम्मीदों का संकेत दिया।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi

When a rebel faces a mutiny on her own ship

What Bengal did this week, India has done before. Yet the turn of events in the fourth-most populous state was stunning given that none of this was thinkable even on May 3.

A month after the BJP's spectacular triumph of winning a two-thirds majority in the state, the declaration of autonomy by two-thirds of Trinamool Congress legislators is a resounding vote of no-confidence against Mamata Banerjee in general and, more specifically, against Abhishek Banerjee, denying the nephew locus standi as the party's national general secretary.

The disintegration of Trinamool is a body blow to Mamata Banerjee—for she embodies the party. The break from the past is even more remarkable when you consider that a relative newcomer in Trinamool politics, Ritabrata Banerjee, has been selected leader of the breakaway group of 58 legislators, who have been recognised by the new Assembly Speaker Rathindra Bose as the principal opposition.It's a flame-out Mamata does not appear to have anticipated herself. It leaves her alienated from the party she founded in 1998 after quitting the Congress. The likelihood of this eruption seemed improbable before May 4. Before and during the election, the Trinamool Congress was a large, popular, dominating political presence in West Bengal. However, after the breakup, it now seems entirely expected, as more and more legislators and other party leaders spew venom against Abhishek's monopolisation of power and Mamata's acquiescence, if not active indulgence of his takeover as the dynastic successor.The crisis in the Trinamool Congress is familiar in most regional parties founded by or taken captive by a single family. A game of thrones is triggered when the right of a son or daughter to succeed the founder is challenged by an upwardly-mobile popular leader from outside the family. The fight between the bloodline and the outsider is a replay of feudal succession battles. Political parties are not hereditary fiefdoms, even when the parallels are unmistakable.Between dynastic succession and choices determined by bloodlines—as in Abhishek Banerjee's approval of Sobhandeb Chattopadhyay as the Trinamool Congress Leader of the Opposition, and a democratic choice by a majority, Ritabrata Banerjee—there is always the probability of a split.

In Maharashtra, the Shiv Sena split twice; first when Raj Thackeray quit over Uddhav Thackeray's succession to the Bal Thackeray legacy and then when Eknath Shinde exited and took the bulk of the party with him along with the name and electoral symbol that have immense resonance among voters in the state. The Nationalist Congress Party also split to leave founder Sharad Pawar in the minority, while his nephew, the late Ajit Pawar, seized the larger chunk. In Assam, the large-scale exodus from the Congress led by Himanta Biswa Sarma to the BJP was a fallout of the late Chief Minister Tarun Gogoi's dynastic ambitions for his son Gaurav.

In the Hindi heartland, there have been multiple feuds over succession, starting with when Akhilesh Yadav had a hard time taking over the Samajwadi Party from his father Mulayam Singh as well as a host of claimants related by blood or long association. The same is true for Tejashwi Yadav, who did not get to lead the Rashtriya Janata Dal without a fight. When Mayawati lost the election in 2012, after her fourth and final stint as chief minister, the Bahujan Samaj Party began crumbling as a significant political force in Uttar Pradesh, as rivals began scrambling for what remained and she dithered over choosing her successor, as she continues to do even now.Curiously, Akhilesh Yadav, Gaurav Gogoi and Mayawati all moved beyond state politics, choosing to use Parliament, both the Lok Sabha and the Rajya Sabha, as alternative sites for continuing their political careers when winning majorities in their state legislatures became unachievable targets.

Encounter model taints khaki

UP template is being replicated in other BJP-ruled states such as Bihar and Odisha



UTTAR Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath's methods of controlling crime and criminals are being adopted by his counterparts in Bihar and Odisha. There has been a spate of police encounters since Samrat Choudhary took over as Bihar CM in April. Several encounters were reported from Odisha in May after Chief Minister Mohan Charan Majhi told the police to root out organised crime in the state.These developments are on expected lines because BJP-ruled states are known for resorting to fake encounters and "bulldozer justice" to punish the accused. Assam, Uttarakhand, Madhya Pradesh, Gujarat and Haryana have also tried to copy UP's policing model, but they have been circumspect at times. There is a pattern discernible in these states that leads analysts to conclude that the controversial policy has the blessings of the ruling party's top brass.Last month, the Yogi government stated that 289 dreaded criminals had been neutralised in police encounters during the last nine years. The UP Police conducted over 17,000 such operations in which more than 34,000 criminals were arrested.The popularity that Yogi has achieved by vesting the state police with the powers to investigate, prosecute, judge and finally deliver "instant justice" — four roles rolled into one — has prompted the BJP to use this template in other states.

When Nitish Kumar led the coalition government in Bihar, such methods were anathema to him. But as soon as he agreed to enter the Rajya Sabha and left the governance of the state in the BJP's hands, a change in tactics on the sensitive subject of crime control was inevitable.Samrat Choudhary has made it clear that the Bihar Police have been given a free hand to take action against criminals. He has also hit back at the Leader of the Opposition, Tejashwi Yadav, who alleged that caste-based encounters were being carried out in the state. "I will tell the police personnel — fine, ask their caste first and then fire," the CM said in a sarcastic vein.

When BJP leader Gopinath Munde was the Home Minister in the Shiv Sena-led government in Maharashtra, he had the temerity to announce in the Assembly that he had instructed the police to shoot criminals if they dared to misbehave on the streets.Such liberty, if given by the political bosses to the police, is fraught with dangerous consequences. In Mumbai, for instance, a whole new breed of "encounter specialists" was born. They became very popular among local citizens. Bollywood made movies based on their exploits.

These officers themselves became prosperous, even as the number of extortion complaints went up. When the "specialists" were shifted out of the Crime Branch, a semblance of sanity was restored.

The judicial process that governs the application of the criminal law in India is based on the one prevalent in England and Northern Ireland. The police are naturally the first stop in this process. Cops register the FIR (First Information Report) that sets the law in motion. The police investigate the offence and arrest the accused. The role of the police ends with the submission of the chargesheet in the magistrate's court.

The public prosecutor takes over from there and argues the case in the court. The magistrate or the judge (in case of heinous offences) decides the culpability of the accused. If the crime carries the death penalty and it is awarded by the judge and later upheld by the high court, the jailor gets the sentence executed by hangmen in the presence of the district magistrate.

The police, the prosecutor, the judge and the jailor each have a role to play independent of each other. If the cops are given the four roles by desperate politicians, the end result is a police force let loose, posing a constant danger to the public.Ordinary citizens do not understand that it's the judicial system that needs to be fixed to restore public faith in the rule of law. In the colonial era, the four cogs worked separately and seamlessly to make the system work. It was when interference in the investigation and prosecution units by the political class began that the system started crumbling.When the political class starts relying on the money and muscle power of ganglords to win elections, corruption becomes the coin of the realm and law-and-order management goes into free fall. When citizens feel the adverse effects of this change, the rulers get alarmed and resort to shortcuts to reassert their authority.It is easier to permit the police force that reports to the Home Department to shoot criminals on sight rather than let the four pillars of the system do their work honestly. Justice Muralidhar of the Delhi High Court was transferred overnight after he criticised the police for not taking action against BJP leaders who were accused of hate speech during the 2020 Delhi riotsUP-style encounters were common in Punjab during the era of terrorism in the 1980s and 1990s. Terrorists shot cops on sight. They did not recognise the authority of the State and its laws. They presented a law-and-order problem of a different kind. Even high court judges whom I consulted told me not to bring them to trial in courts of law!When the public gets enamoured with quick justice executed by the police, the party in power has no qualms about persisting with these methods. Enlightened police leaders must highlight the perils of turning cops into "criminals in uniform".

TMC vs Mamata : Party supremo faces existential crisis

The Raghav Chadha model of weaning away Trinamool's MPs may well be next



A month from the May 4 election debacle that ended her 15-year hegemony in West Bengal at the hands of the Bharatiya Janata Party, Mamata Banerjee's legislative fortress is crumbling. The 71-year-old three-time Chief Minister is facing a rebellion that threatens to push her out of the Trinamool Congress (TMC) calculus itself. Claiming to be the real TMC legislature party, at least 58 of the 80 party MLAs have elected Ritabrata Banerjee as their leader, securing recognition from the Assembly Speaker. The rebellion — akin to Eknath Shinde's Shiv Sena model that the BJP astutely managed in Maharashtra — poses an unusual situation for Mamata. Since she quit the Congress and floated the TMC 28 years ago, she has quelled dissension with an iron hand. Not this time. The Raghav Chadha model of weaning away Trinamool's MPs may well be next.Till the day of the result, the TMC and its undisputed supremo exhibited an image of invincibility. To that effect, the swift dismantling of the party and the no-going-back defiance by sections of the rank and file come as a surprise. True to her nature, the feisty Mamata is not expected to give up without a fight on who the real Trinamool is. Under these circumstances, any possibility of self-introspection over the electoral defeat is unlikely. When survival is at stake, there is little chance of an objective overview of criticism regarding her style of governance, or nephew Abhishek's highhandedness and the importance given to him. That may not augur well for Mamata.

As is the wont of Indian politics, TMC's shrinking fortunes is party-hopping time. Loyalty is a fickle commodity. Power is the presiding deity. A real concern is an Opposition that forgets its primary role and chooses to play along with the Suvendu Adhikari government.

Race, religion, immigration & a killing in Britain

Police officers got distracted by allegations of racism while failing to recognise who had actually been attacked.

This is, after all, the nation that gave the world parliamentary democracy, the civil service and a reputation—sometimes deserved, sometimes not—for administrative common sense.Yet many Britons now wonder whether that common sense is being overwhelmed by something else: an increasing preoccupation with identity, offence and the fear of causing controversy. Questions involving race, religion, immigration and minority communities now shape public debate in ways that would have seemed unfamiliar a generation ago.

The question has been thrown into sharp relief by the tragic case of Henry Nowak, an 18-year-old student who died after being stabbed in Southampton. The circumstances of the case would soon draw police, media and public opinion into a fraught debate involving race, religion and identity.For Indian readers, several aspects of the case are immediately recognisable. The attacker, Vickrum Digwa, was a Sikh. There were allegations of racist abuse. There were claims involving a turban. Questions of identity, religion and discrimination quickly became entangled with the facts of a violent crime.Yet what has shocked Britain is not simply the killing itself.

It is what happened afterwards.

Bodycam footage released after the trial appears to show a dying young man repeatedly insisting that he had been stabbed.One exchange has become emblematic of the entire controversy."I've been stabbed," Nowak told arresting officers."I don't think you have, mate," the police replied.

The first statement was true.

The second was disastrously wrong.

At another point, Nowak can be heard saying: "I can't breathe."The footage has generated outrage because many viewers reached a troubling conclusion. They believe police officers became distracted by allegations of racism while failing to recognise who had actually been attacked.Whether that judgement is entirely fair will be debated for yearsBut the public reaction reveals something important.Many Briton nolonger trust their institutions to exercise ordinary judgement when questions of identity are involved.For many critics, these anxieties first surfaced during debates over Islamist extremism, integration, community relations and accusations of Islamophobia. Similar controversies emerged during the grooming-gang scandals that later engulfed several English towns, including Rotherham, Rochdale and Telford.

Over many years, hundreds of vulnerable white girls were sexually exploited by organised groups of mostly Pakistani men. Subsequent inquiries found serious failures by police, local authorities and social services.

Critics argued that some officials were reluctant to confront aspects of the abuse for fear of inflaming community tensions or attracting accusations of racism or Islamophobia. Others dispute that interpretation and point to a range of institutional failures. The scandals left a lasting impression on public opinion and became a touchstone in wider debates about identity, community relations and official judgement.

The issue extends beyond race or religion. It reflects a broader anxiety that public authorities have become increasingly responsive to allegations of offence while appearing less effective in dealing with actual harm.

Yet a series of incidents has helped create precisely that perception.Consider the case of Maxie Allen and Rosalind Levine in Hertfordshire.

The couple became involved in a dispute with their daughter's primary school. They exchanged emails and participated in WhatsApp discussions concerning school management and the appointment of a head teacher.

Six police officers arrived at their home.

Levine was arrested in front of one of the couple's children, who was three years old.

No prosecution followed. Hertfordshire Police later admitted the arrests were unlawful and paid compensation. Even the county's Police and Crime



Commissioner acknowledged that the dispute "shouldn't have become a police matter".

Many Britons see a pattern.

A parent complains about a school.

Police arrive.

A social media argument escalates.

Police become involved.

An allegation of offence is made.

Officials intervene.

Each case has its own facts. Each deserves to be considered individually.

But together they have created a wider impression that the boundaries of policing are expanding into areas that previous generations would have regarded as matters for families, schools, employers or civil society.

The controversy surrounding Graham Linehan, co-creator of the popular television comedy Father Ted, has reinforced that perception.

Linehan was arrested at Heathrow Airport in connection with social media posts concerning transgender issues. The image of five police officers demanding DNA details from a comedy writer because of online comments immediately provoked questions about priorities.The case quickly became another national argument about free speech, policing priorities and the limits of acceptable opinion. The details differ dramatically—a murder investigation, a school dispute and social media posts—but together they point to the same underlying concern.The public sees a contradiction.Police say they cannot investigate every burglary, theft or act of anti-social behaviour because resources are stretched.

Yet they somehow find the manpower to record non-crime hate incidents, visit citizens over controversial tweets and intervene in disputes that previous generations would have settled without police involvement.

The complaint is not that British police are too active.

It is that they often appear active in the wrong places.

That perception may not always be fair.

Police officers face difficult decisions. Genuine racism exists. Genuine discrimination exists. Genuine threats exist online.

No serious person believes such matters should simply be ignored.

Your flat is delayed. Your EMI isn't. What now?

You're paying the EMI. The builder missed the deadline. With over 5 lakh homes stuck across India, delayed possession has become a financial nightmare for thousands of buyers. Here's what experts say you can do when your dream home doesn't arrive on time.

New Delhi,.(Agency)

You booked a flat. The builder promised possession in a few years. You planned your finances around it. Perhaps you took a home loan, started paying EMIs and imagined moving into your new home within a few years.

Then the possession date came and went.

The building is still unfinished. The promised handover has been pushed back. You are still paying rent. You are still paying your home loan. And every month, the same question becomes harder to ignore: what now?For thousands of homebuyers across India, this is not a hypothetical situation. It is a financial reality.While India's housing market continues to see strong sales and new project launches, delayed possession remains one of the biggest headaches for homebuyers. And for many families, the consequences go far beyond inconvenience. Delays can mean years of paying both rent and EMI, missed tax benefits, disrupted financial plans and, in some cases, prolonged legal battles.The good news is that homebuyers today have more rights and legal protections than they did a decade ago. The challenge is knowing what those rights are and when to use them.



DELAYED POSSESSION REMAINS A MASSIVE PROBLEM IN INDIA

If your project has been delayed, you are far from alone.According to PropEquity, nearly 2,000 housing projects comprising 5.08 lakh units were stalled across 42 cities as of July 2024. That is up from 4.65 lakh stalled units in 2018.More importantly, the problem extends beyond outright stalled projects. PropEquity notes that four out of five under-construction homes that are eventually delivered still face delays of three to four years.The problem is particularly acute in NCR. Greater Noida alone has 74,645 stuck units. Gurugram has 52,509 units spread across 158 stalled projects, while Noida has 41,438 units across 103 stalled projects.Property consultant Anarock previously estimated that 6.29 lakh homes worth Rs 5.05 lakh crore were either severely delayed or stalled across India's top seven cities. More recently, Anarock Capital estimated that over 4.5 lakh affordable and mid-income homes across more than 1,500 projects remain stalled and require roughly Rs 55,000 crore in funding support to be completed.

The numbers make one thing clear: delayed possession is not an isolated problem. It is one of the largest consumer issues in India's real estate sector.WHAT ARE YOUR RIGHTS IF A BUILDER MISSES THE POSSESSION DATE?

One of the biggest misconceptions among buyers is that they have no option but to keep waiting.

That is not the case.

Sneha Suresh Agicha, Advocate at D. M. Harish & Co., says the RERA Act fundamentally changed the balance of power between developers and homebuyers.

Early signs of AI trade cooling down likely to trigger forex inflows into India

New Delhi.(Agency)

The Nasdaq crash in the US by about 5 per cent is an indication that the AI bubble may burst and if the AI trade cools down and reverse, that can trigger reversal of foreign portfolio investors (FPI) outflows to the Indian markets, analysts said on Sunday. In May, FPIs net sold equity for Rs 32,963 crore. The sustained selling continued in early June, too. The total selling in June (up to 6th) stood at Rs 42,926 crore, taking the total selling in 2026, so far, to Rs 283,662 crore, as per NSDL data.Considering the significance of FPI inflows to finance the current account deficit and the Balance of Payments gap, the Central Bank and the government initiated several steps to attract FPI. The measures like exemption of interest and capital gains from FPI investment in government securities from taxation announced by the government, followed by announcements in the monetary policy like the RBI absorbing the hedging costs on FCNR deposits mobilised by commercial banks, increase in forex swap window, increased access to government bonds through the FAR route and increased limit for NRIs and OCIs to invest in the Indian equity market will pave the way for forex inflows into India," said Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Ltd.



This has also helped in the stabilisation of the rupee. The rupee which had depreciated to a low of 96.96 has appreciated to 94.94 on June 5. This is a positive development. However, if FPIs are to invest in India, the AI trade which has been the principal driver of FPI outflows away from India should change. There are early signs of this happening," the analyst noted.Markets ended last week lower, with the benchmark indices, Nifty and Sensex, declining amid concerns over geopolitical tensions and uncertainty in global trade. However, supportive domestic macroeconomic cues helped limit the extent of the decline, said analysts.

US-Iran tensions, RBI policy and other factors likely to drive stock market next week

New Delhi.(Agency)

Indian equity markets are likely to remain volatile in the coming week as investors track escalating geopolitical tensions in West Asia, the Reserve Bank of India's latest policy stance, persistent foreign fund outflows and rising US bond yields. The benchmark indices ended the previous week in negative territory, and analysts believe these developments could continue to influence market direction when trading resumes on Monday.The Indian stock market closed lower on Friday, extending cautious sentiment among investors amid global uncertainties. The Sensex fell 117 points to settle at 74,243, while the Nifty declined 50 points to close at 23,367.A key factor that market participants will closely monitor is the worsening situation in West Asia. The US military said it struck Iranian coastal radar and surveillance sites after intercepting drones launched by Iran toward the strategically important Strait of Hormuz. According to reports, US officials believe the drones were targeting maritime traffic in the region. The subsequent strikes on surveillance facilities in Goruk and Qeshm Island have heightened concerns over potential disruptions to global energy supplies and shipping routes, factors that could influence crude oil prices and investor sentiment worldwide.

The Reserve Bank of India's monetary policy decision will also remain in focus. RBI Governor Sanjay Malhotra announced on Friday that the Monetary Policy Committee unanimously decided to keep the repo rate unchanged at 5.25 per cent. The central bank cited concerns over rising energy prices and supply-chain disruptions linked to the West Asia conflict while assessing the inflation outlook. The RBI also announced an increase in investment limits for Non-Resident Indians and Overseas Citizens of India in equity instruments, a move aimed at encouraging capital inflows.Foreign investor activity continues to be another area of concern for the market.Global interest rate expectations may also weigh on investor sentiment. Rising inflation concerns in the United States pushed Treasury yields higher last week, with the yield on the two-year Treasury note climbing to a 15-month high.Higher bond yields generally reduce the appeal of equities by offering investors more attractive returns from fixed-income investments, potentially leading to increased volatility in stock markets across the globe.

Govt defends LPG price hike, says India's cooking gas still among world's cheapest

The latest increase follows a Rs 60-per-cylinder hike announced on March 7, taking the cumulative increase in domestic LPG prices to Rs 89 per cylinder this year.

New Delhi.(Agency)

The Centre on Sunday defended the latest increase in domestic LPG prices, saying Indian households continue to pay among the lowest cooking gas rates globally despite a sharp 46 per cent rise in international benchmark prices triggered by disruptions in West Asia.The clarification came a day after the price of a 14.2-kg domestic LPG cylinder was raised by Rs 29, taking the retail price in Delhi to Rs 942 from Rs 913.Beneficiaries of the Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY) will continue to pay an effective Rs 642 per cylinder after a subsidy of Rs 300 per refill on the first four refills annually.

The latest increase follows a Rs 60-per-cylinder hike announced on March 7, taking the cumulative increase in domestic LPG prices to Rs 89 per cylinder this year.In a statement, the government said the cost of supplying a domestic LPG cylinder has climbed to over Rs 1,600 due to soaring global prices following the outbreak of conflict in West Asia and disruptions in the Strait of Hormuz, a critical shipping route for Gulf energy supplies.ndia's LPG import prices are linked to the Saudi Contract Price (CP), the global benchmark set by Saudi Aramco. According to the government, the benchmark has risen by around 46 per cent since February."India used to import 60 per cent of its LPG requirements, and the landed cost of that import tracks the Saudi Contract Price (CP) that Saudi Aramco sets at the start of each month. This is an external price over which the Indian consumer has no control," the government said.The statement said the Saudi CP for LPG rose sharply after disruptions in West Asia.



"Expressed as the 50:50 propane-butane blend used for India's LPG, the Saudi CP for LPG stood at about USD 543 a tonne in February, before the disruption. Following the closure of the Strait of Hormuz in late February, the April contract price -- the first set after the disruption tightened Mideast Gulf exports -- rose to USD 775 a tonne, with propane at USD 750 and butane at USD 800, and has since edged up further to USD 790 a tonne in June."

Will this country slip into AI control? Digital minister's warning raises concerns

The warning comes as Japan pushes changes to its data protection law to speed up artificial intelligence development.

New Delhi.(Agency)

Japan's efforts to strengthen its position in artificial intelligence have taken a turn after the country's digital affairs minister warned that it could turn into an "AI colony" if it fails to move fast in the international race.Hisashi Matsumoto said Japan must step up investment and innovation in artificial intelligence (AI) or risk falling into a position where it depends on other countries for advanced technology. He urged people to understand the urgency around AI development and support national efforts to strengthen the sector.The appeal comes at a time when the Japanese government is working on changes to its personal data protection law. The proposed revision would allow AI developers to use sensitive data such as medical and criminal records for training AI models, even in situations where direct consent from individuals is not obtained.Matsumoto argued that the competition in AI has reached a level where countries cannot afford to move slowly. According to him, delays in development could leave Japan dependent on external systems and technologies built elsewhere. He said the country must act in step with international progress to avoid losing ground in important technologies.**Debate over data use and privacyOpposition parties and privacy** advocates have expressed concerns over the proposal, calling for stronger safeguards to ensure the protection of personal data and reduce the risk of misuse.Lawmakers have pointed out that while AI development is important, the use of private medical and criminal records needs strict oversight. Attention has turned to how to balance technological progress with individual privacy rights.The bill has cleared Japan's lower house and is now in the upper house, where further debate is expected in the coming weeks.



International AI competition sets the pace

Japan's move comes against the backdrop of intense competition across the world in artificial intelligence. This competition is led mainly by the United States and China. Both countries are investing heavily in large-scale data centres, advanced computing systems and the development of next-generation AI models.The expansion has pushed other countries to rethink their strategies. Japan, which has long been a leader in technology and manufacturing, is working to strengthen its position in AI research and infrastructure. Government bodies and private companies are both concentrating on machine learning systems, data processing capabilities and high-performance computing networks.

Rising demand for AI infrastructure

Across the world, the demand for computing power and data infrastructure is rising. Countries are building new data centres and expanding energy resources to support large AI systems. Experts say the competition is no longer limited to software development, but also depends on access to data, computing efficiency and cost management.

Technology analysts say that future leadership in AI will depend not just on better algorithms but also on how efficiently countries can manage energy use and turn AI systems into economic value. This race is pushing governments to rethink how data is collected, stored and used.

CBI raids six locations in Rs 661-Cr IDFC First Bank-AU Finance Bank fraud probe

New Delhi,.(Agency)

The Central Bureau of Investigation (CBI) has carried out searches at six locations in Chandigarh, Panchkula and Delhi-NCR as part of its probe into an alleged Rs 661-crore fraud involving the diversion of government funds from Haryana government departments and the Chandigarh administration, officials said on Sunday.The searches, on Friday targeted premises linked to senior Haryana cadre public servants, Noida-based Vipam Consultancy Pvt Ltd, and its director, officials said on Sunday.The action is part of an ongoing investigation into the alleged siphoning of funds parked with IDFC First Bank and AU Finance Bank.According to the agency, the alleged fraud impacted eight Haryana government departments and two Chandigarh administration entities, Municipal Corporation Chandigarh and Chandigarh Renewable Energy and Science and Technology Promotion Society (CREST)."During investigation evidences have surfaced suggesting that the public servants had colluded with bank officials and had facilitated in opening of accounts, transfer of funds and subsequent diversion thereof," the statement said.

The agency alleged that the public servants received undue benefits for facilitating the transactions and failing to flag irregularities.The CBI further alleged that Vipam Consultancy Pvt Ltd received proceeds of crime in its bank account, which were later transferred to the personal account of its director.

"Incriminating documents, digital devices, property documents and other relevant material were seized during the search operations," the agency said.

The case stems from one FIR transferred from the Haryana State Vigilance and Anti-Corruption Bureau and two cases initially registered by the Economic Offences Wing police station in Chandigarh.

The agency said the cases pertain to alleged criminal conspiracy, misappropriation of government funds and related offences committed in connivance with bank officials and public servants.The CBI has already filed its first chargesheet before a special court in Panchkula, detailing the alleged involvement of public servants from Haryana Power Generation Corporation Ltd and Haryana School Shiksha Pariyojna Parishad.

Young Indians buying life insurance much earlier than previous generations, says report

Kolkata.(Agency)

There seems to be a growing awareness of the necessity to buy insurance early in life and a recent report indicates that young Indians are buying life insurance cover much earlier than earlier generations. The coverage among people, especially those between 21 and 30 years have surged by more than 60% in FY26, said "Transparency Report 4.0" of Go Digit Life Insurance. "People are significantly widening their safety nets. Digit recorded over 50 per cent growth in the base sum assured this year. Leading this shift are Gen Zs in the 21-30 age group, where coverage amounts surged by over 60 per cent," the report mentioned while observing how it is becoming a financial decision early in one's career. Significantly, in the decades gone by one used to buy insurance policies at the time of marriage or when children came into a family or even later in life.

Why the trend to buy insurance earlier

One of the disruptions that triggered early purchase of life insurance coverage seems to the Covid pandemic. Improving financial literacy is another driver. The report also suggests that concerns around accidents and unexpected risks have also risen. Digit Life's data indicate that the average age of accident victims stood at merely 33 years. More than 33% of the accident-related cases involved people in the age group of 21 to 30 years. "Road safety data remains a sobering reminder to stay alert. The average age of accident victims is just 33 years old, with over one-third of incidents involving those aged 21-30," the report said.

How do NSE EGR and gold ETFs compare on different parameters? Know details here

New Delhi.(Agency)

Gold holds eternal attraction for common investors as well as HNIs. Over the past few years, investment strategists have advised people to allocate 10-15% of one's portfolio to gold and silver. The number of instruments where one can investment in gold in a dematerialised way has gone up with NSE (National Stock Exchange) recently launching the EGR or electronic gold receipt. With the rise of digital investing platforms, investors can now invest in gold without purchasing jewellery or coins or bars. Two popular options for gold investing are Electronic Gold Receipts (EGR) and Gold ETFs or exchange traded funds. Let's see how they compare on different cunts.

EGR vs Gold ETF

Ownership: Electronic Gold Receipt offers direct ownership representation of physical gold which is stored in Sebi-regulated vaults. On the other hands, Gold ETFs offer indirect exposure through fund structures.Trading mechanism: Both instruments are traded on stock exchanges. While EGRs function as exchange-backed receipts, Gold ETFs operate through mutual fund frameworks. Gold ETFs (and Gold ETF Fund of Funds) are launched by mutual fund houses.Physical redemption: EGRs are in fact closed to metallic gold than ETFs. Therefore, it is easier to convert them into gold. Gold ETF redemption usually remains restricted for retail investors since it is possible only if the investor accumulates enough units to match standard gold bars which are usually of 1 kg.

Clock tower near Talkatora Stadium set for completion by month-end

New Delhi.(Agency)

The upcoming clock tower at Shankar Road–Mandir Marg junction near Talkatora Stadium is set to be transformed into a landmark gateway to the New Delhi Municipal Council (NDMC) area, with civic authorities planning a host of smart and aesthetic features around the structure.

NDMC vice-chairman Kuljeet Chahal said nearly 80% of the civil work has been completed and the agency is targeting completion by June 30. Once construction is done, the focus will shift to developing the site into an iconic attraction on the lines of New York's Times Square and similar global modern structures.

"We plan to install a large LED display wall around the clock tower. The screens would provide real-time information, such as air pollution levels, temperature forecasts, nearby attractions and public messages. The system will be supported by AI-enabled equipment to enhance information dissemination and visitor engagement," Chahal said after a recent inspection.

"We don't want it to look like any other conventional clock tower. It should represent 'Viksit NDMC'. A detailed discussion has been held with officials, who will come up with an updated plan soon," he added.

NDMC's beautification plan includes projector lighting to illuminate the clock faces on all sides, 5-6-metre-high decorative poles fitted with 70-watt post-top lights, and bulkhead lighting inside the tower to illuminate stairways. Wall-mounted fans will also be installed at the premises.

Officials said all electrical installations inside and outside the structure, along with associated accessories, will be properly earthed to ensure safety and operational efficiency. In addition, horticulture work has also been planned around the tower.

From an engineering perspective, the clock tower is being designed to withstand both wind and seismic



forces. "Internal electrical installations, along with colourful linear façade lighting, will be among the other features," an official said.

The structure comprises a reinforced concrete framework supported by RCC raft foundations. Its exterior will feature wire-cut brick cladding in line with the approved architectural design, giving it a distinctive and durable finish.

The foundation stone for the project was laid in Aug 2025 by former LG V K Saxena, with the initial deadline set as Jan 31, 2026. NDMC missed the target, with officials attributing the delay to GRAP restrictions and challenges encountered during site preparation. Subsequently, the revised April 30 deadline was also missed. Officials later clarified that excavation work took longer than expected due to rocky strata at the site.

The nearly 27-metre-high octagonal tower, being built at a cost of Rs 1.8 crore, is designed to blend Hindu, Mughal and Colonial-era architectural styles. Stone engraving will be carried out on the façade, followed by polishing and installation of lighting to highlight the detailing during the final phase of construction. Each of the tower's eight sides will measure 1.2 metres.

The clock to be installed atop the tower will feature a modern, weather-resistant design with both backlit and front-lit illumination. It will be mounted using vibration-resistant technology.

Delhi, Punjab populations connected through Sikh gurus, asserts L-G Sandhu

New Delhi.(Agency)

L-G Taranjit Singh Sandhu visited several historic gurdwaras in Sri Anandpur Sahib and Kiratpur Sahib in Punjab, highlighting the deep spiritual and historical ties shared between Delhi and Punjab.During the visit, the L-G said the bond between the two regions is closely linked to the lives and teachings of Guru Arjan Dev Ji, Guru Tegh Bahadur Ji and Guru Gobind Singh Ji, as well as the historic Gurdwara Sis Ganj Sahib and Gurdwara Rakab Ganj Sahib in Delhi.

He also noted that Delhi's large Punjabi and Sikh population, many of whom rebuilt their lives in the capital after Partition, has played a major role in



shaping the city's culture and identity.

The shared history between Delhi and Punjab continues to inspire people with the values of courage, selfless service and unity," the L-G said.

Sri Anandpur Sahib, Sandhu visited Takht Sri Keshgarh Sahib, Gurudwara Sis Ganj Sahib, Guru Ka Mahal and Gurudwara Damdama Sahib. He offered prayers and said the holy land reflects the legacy and sacrifices of Guru Tegh Bahadur Ji and Guru Gobind Singh Ji.The L-G also visited Gurudwara Patalpuri Sahib in Kiratpur Sahib, where the ashes of his father Sardar Bishan Singh Samundri, mother Dr Jagjit Kaur Sandhu and elder brother Jasjit Singh Samundri were immersed. He paid tributes to their memory and offered prayers for peace, health and prosperity for all.

Delhi University professor's husband being questioned in city, police teams hunt for suspects

New Delhi.(Agency)

Days after a 42-year-old Delhi University professor was found murdered at her residence in east Delhi's Vasundhara Enclave, police have intensified their investigation by questioning her husband and narrowing down on a few suspects.

According to a senior police officer, the husband of the victim, who works in Pune, Maharashtra, came to Delhi on Saturday and is currently being questioned about the incident. Apart from this, some persons have been zeroed in on, and teams have been sent to nab them. Reportedly the woman was an introvert and was in touch with a limited number of people. Her brother also lives in the same society.

Meanwhile, call detail records of the victim revealed that she mostly contacted her sister or mother. Apart from them, she used to speak only with a few college staff members. Police have prepared a list of these contacts and are questioning them as part of the investigation. The incident was reported to the police on Thursday by the sister of the victim.

According to police, the woman was separated from her husband. There was no forced entry sign, due to which the police are suspecting that the deceased might have known the attacker.

The murder took place between 1 pm and 6 pm on Wednesday. The deceased last spoke to her mother around 1 pm, and her maid came around 6 pm. She knocked on the door repeatedly, but the woman did not respond.The police have checked the CCTV footage of the society and put suspicion on 200 people. Later, 13 suspects have not been identified by the society people. Out of them, 10 people have been identified by their name and identity, while three people are still unidentified.

Govt funds, secret accounts, Rs 661 crore diverted: CBI raids multiple locations

New Delhi.(Agency)

The Central Bureau of Investigation (CBI) on Sunday conducted searches at six locations across Chandigarh, Panchkula, and Delhi-NCR in connection with a massive Rs 661-crore government funds misappropriation case linked to IDFC First Bank and AU Finance Bank.



The raids targeted the premises of senior Haryana government officials alongside Noida-based Vipam Consultancy Private Limited and its director. Investigators suspect deep collusion between public servants and bank officials in illegally opening bank accounts, transferring state funds, and diverting the money for personal gains.According to the central agency, the financial fraud impacted eight Haryana government departments and two Chandigarh Union Territory entities, specifically the Municipal Corporation Chandigarh and the Chandigarh Renewable Energy and Science & Technology Promotion Society.

The agency alleged that the government funds were systematically siphoned off through a well-planned conspiracy orchestrated by bank officials and public servants.

During the extensive searches, CBI operatives seized numerous incriminating documents, digital devices, and property-related records. Investigators also uncovered evidence suggesting that Vipam Consultancy received direct proceeds of the crime, which were later transferred into the personal bank account of its director.

The probe has already resulted in the filing of a first chargesheet before the Special CBI Court in Panchkula. This initial filing details the alleged roles of officials from the Haryana Power Generation Corporation Limited and the Haryana School Shiksha Pariyojna Parishad. Law enforcement officials stated that further chargesheets are expected to be submitted.

Among lowest in the world: Govt defends LPG price hike amid criticism

New Delhi.(Agency)

Hours after domestic LPG prices were raised by Rs 29 per cylinder, the Centre mounted a detailed defence of the increase, arguing that Indian households continue to be protected from the full impact of a sharp rise in global energy prices triggered by the West Asia crisis.The government said the cost of supplying a 14.2-kg LPG cylinder has now crossed Rs 1,600, while a general consumer in Delhi will pay Rs 942 after the latest revision and a Pradhan Mantri Ujjwala Yojana beneficiary will effectively pay Rs 642 on eligible refills.

"The Indian household continues to buy cooking gas much cheaper than the household in any neighbouring country, and far below the price paid in advanced economies such as the United States, Australia and Canada," the government said on June 7.

The latest increase takes the price of a domestic LPG cylinder in Delhi from Rs 913 to Rs 942. It follows a Rs 60



increase announced on March 7, taking the cumulative rise over the past three months to Rs 89.

GLOBAL PRICES HAVE SURGED, SAYS GOVERNMENT

According to the Centre, the main reason behind the increase is the sharp rise in international LPG prices following disruptions in West Asia and the Strait of Hormuz.India imports around 60 per cent of its LPG requirement and domestic prices are linked to international benchmarks, particularly the Saudi Contract Price.

The government said the Saudi benchmark stood at about US$542.5 per tonne in February, before the crisis intensified. Following the disruption of shipping routes through the Strait of Hormuz, the benchmark rose to US$775 per tonne in April and further to US$790 per tonne in June.

"The blended LPG benchmark has thus risen by about 46% since the pre-crisis February level," the statement said.

Dogged cockroaches crawl in Delhi corridors of power

Jantar Mantar turns into a vibrant arena of slogans, music and dissent, as supporters carry colourful posters

New Delhi.(Agency)

Hundreds of students, parents, gig workers and activists gathered at Jantar Mantar on Saturday to participate in the Cockroach Party protest, braving the scorching capital's heat to voice concerns over unemployment, examination irregularities and the future of the country's youth.

The protest site turned into a vibrant arena of slogans, music and dissent as young college and university students arrived carrying colourful posters, hand-painted graffiti, caricatures of Union Education Minister Dharmendra Pradhan and cockroach-themed masks. Elderly men and women also joined the gathering, holding flags, roses and placards in support of the movement.

Many participants said they had attended the protest after being inspired online by people they had never met personally, united by a shared sense of frustration and urgency.

The excitement around activist Abhijeet Dipke drew supporters and curious onlookers alike, while songs and slogans echoed across the protest venue. Behind the visible enthusiasm, however, many attendees spoke of deeper anxieties related to education, unemployment and repeated examination-related lapses.

Mohammad Taj, a computer science student from Wazirabad studying in a Delhi college, said recent incidents linked to examinations had left many students uncertain about their future.

"The youth-led movement inspired me because students are deeply worried about their careers," he said, adding that unemployment among young people continued to rise while authorities remained indifferent. Taj said the large turnout reflected widespread dissatisfaction with the current education system.

Alongside him was his friend Nadeem, a gig worker, who said he had skipped work for a few hours to participate in the protest. "Many parents from poor families spend beyond their means to educate their children, but examination lapses and paper leaks destroy their future," he said.Mamta, a mother of two, said she attended the protest for the sake of her children and other youngsters struggling with uncertainty. She recalled that her daughter had suffered because of examination-related issues during the Covid and eventually moved to Australia for higher studies.

After South Delhi B&B fire, 124 properties sealed in drive against illegal constructions

New Delhi.(Agency)

As part of a citywide drive against illegal and unauthorised structures in the Capital, the District Level Committee of the Delhi government sealed 124 properties on Saturday, officials said. The drive comes in the wake of a fire at Flourish Stay bed-and-breakfast (B&B) in Hauz Rani, Malviya Nagar, which claimed 22 lives.

On Saturday, notices were issued to violators after inspections were carried out at 10 sites each in North District and East District, officials said. While 21 sites were inspected in the West District, the number stood at 13 in the South-West District and 10 in the Central District (North), they added.

"During inspections of 30 sites in South District, 11 premises were sealed while show-cause notices were issued in 19 cases," said officials.

In the North-West District, three unauthorised buildings were demolished for violating building by-laws. "No violations were found during inspections in the South-East District," said the Chief Minister's Office (CMO) in a statement.

In a separate drive against illegal constructions that began on Monday, MCD officials said demolition action had been carried out against 94 properties and 114 properties were sealed between June 1 and June 6. This drive, however, was triggered by a building collapse at Saidulajab near Saket Metro station on May 30 that claimed six lives. As per MCD officials, 84 show-cause notices were issued in cases of unauthorised construction, sealing notices were sent to 41 properties, and 33 demolition orders were also issued.



"Delhi Government is not limiting itself to enforcement action but is also working in action mode on long-term solutions to the problem. She has directed officials to explore the possibility of developing a third-party insurance system for buildings, guest houses, nursing homes, and other public-use structures that witness large public footfall," said the CMO.

According to officials, stringent action will be taken if serious violations of approved building plans are detected, including removing the concerned architect from the panel and blacklisting them with immediate effect.

Further, DDA's Flying Squad and Quick Response Teams (QRTs) have been asked to intensify the identification and removal of encroachment and illegal construction across the city, officials added.

On June 3, a day after the blaze at the B&B, the Delhi government constituted 13 district-level and 39 sub-division-level committees to conduct a citywide survey of all buildings with six storeys (ground plus five floors) and above, including hospitals and nursing homes, to determine whether they are violating fire safety norms. Officers said the preliminary inspection of the B&B had allegedly uncovered multiple violations, including the lack.

NEWS BOX

Russian drone strikes kill two in Ukraine

KYIV. (Agency)

Russian drone strikes killed two people in Ukraine, officials said Sunday, as world leaders gathered in London to discuss piling pressure on Moscow over its four-year war.Ukrainian President Volodymyr Zelensky will meet the leaders of France, Germany and Britain on Sunday for talks on the way forward as Russia suffers military setbacks in the invasion of its neighbour.A Russian drone strike killed a 56-year-old man working as a minibus driver in Ukraine's southern Zaporizhzhia region, the State Emergency Service of Ukraine wrote on Telegram on Sunday.

A 59-year-old man was killed in a separate attack in the central Dnipropetrovsk region, when Russian drones and aerial bombs rained down over two districts, regional military chief Oleksandr Ganzha posted on Telegram on Sunday.The attacks wounded a 35-year-old man and damaged infrastructure, Ganzha said.

Ukraine recaptured more territory than it lost to Russian forces in May for the second straight month, AFP analysis of data from the Institute for the Study of War (ISW) showed earlier this month.Russia's offensive has meanwhile led to rising prices, tax hikes, two-decade-high borrowing costs, business shutdowns and labour shortages, putting the economy in its trickiest spot since the full-scale invasion of Ukraine in February 2022.Zelensky proposed a face-to-face meeting with Vladimir Putin in an open letter to the Russian leader on Thursday, saying he was also ready for a "full ceasefire".Putin, speaking at Russia's flagship economic forum on Friday, rejected suggestions the Russian economy had collapsed, saying "we have descended to the same level at which Eurozone countries have been experiencing growth for the past few years."

At least 12 people shot at Ohio festival as search for suspects continues

World. (Agency)

A shooting near a community festival in Toledo, Ohio, wounded at least 12 people, and police said a search for the suspects was ongoing following an outbreak of gunfire that sent crowds scrambling for cover.

Two of the wounded were in critical condition, Toledo Deputy Police Chief Joe Heffernan said. He said it appeared there were at least two people firing weapons who were "probably shooting at each other."The Toledo Police Department said the shooting happened near the Old West End Festival, an annual gathering of live music and home tours in a historic district of the city.The department said an active search was underway for those responsible.

"I am deeply concerned about the situation in Toledo tonight. Summer festivals should be safe spaces for families to spend time together without fear of violence," Ohio Gov. Mike DeWine said in a statement.Multiple videos posted to social media showed people running over the sound of gunshots and emergency officials tending to others who appeared wounded.

Kevin Berry said he was sitting in the neighborhood arboretum listening to live music with his friends when he heard a handful of gunshots ring out.

"Everybody hit the deck," he said.

When he looked back up, he saw a gun being tossed to the ground less than 50 feet (15 meters) away from him. Police officers who were already on-site for the festival immediately responded to the scene.

Berry, who has medical training and served in the U.S. Navy, said he walked around the area looking for potential victims who might need help. He said he saw at least five people with gunshot wounds.

'Two millennia of legacy': Indian envoy to China hails mutual learning of languages, exchange of ideas

world. (Agency)

Vikram Doraiswami, Indian Ambassador to China, addressing students at Beijing Foreign Studies University, asserted that mutual learning of languages and exchange of ideas over two millennia is a defining aspect of the relationship between India and China.Doraiswami, who took charge as India's envoy to China last month, delivered a lecture on Friday and held a conversation with students and faculty members.BFSU, a premier institution for foreign languages in China, offers courses in 102 languages, including Tamil, Hindi, Bengali, Sanskrit and Urdu.It recently added Punjabi to its list of courses.The languages are taught primarily to Chinese students as well as diplomats and officials. Many of its students go on to work with Chinese foreign-language media organisations, including state radio and television services catering to overseas audiences.During his lecture, Doraiswami, a fluent Mandarin speaker, highlighted how the study of languages, societies and a dialogue of ideas had been a defining feature of India-China engagement for more than two millennia."Citing examples from the Mauryan period to the modern era, he [Doraiswami] noted how exchanges between the world's two oldest continuous civilisations enriched both societies through the sharing of knowledge, philosophy, artistic traditions, technologies, and innovation," according to a post on X by the Indian Embassy in Beijing.He emphasised that such interactions historically generated mutual benefit and remained more important than ever as both countries undergo profound economic, technological and social transformation," it said.It added, "The lecture also explored the remarkable changes taking place in India today and the need for deeper knowledge, academic engagement, and people-to-people exchanges to better understand each other's contemporary realities."

Taiwan coast guard says deploys vessels in response to China operation

CHIPPEWA FALLS. (Agency)

Taiwan's coast guard said Sunday it has deployed vessels "to respond appropriately" to a Chinese operation in waters east of the island democracy, which it said "violates international law".It comes after Chinese state media reported Saturday that the "law enforcement operation" was in response to talks between Japan and the Philippines to draw a boundary in the affected waters.China, which asserts Taiwan is part of its territory, called the talks "illegal" and has claimed exclusive control over the waters.The Chinese ships have been monitored "throughout the entire process" and Taiwan "has deployed the necessary vessels to respond appropriately," the Taiwanese coast guard said in a statement.Taiwan said it had detected four Chinese government vessels departing from Xiamen port which had sailed outside Taiwanese restricted waters southwest of the island.Taiwan's coast guard dispatched more than five vessels "to assist with surveillance".The Chinese vessels were expected to arrive "in the relevant waters" on Sunday, the

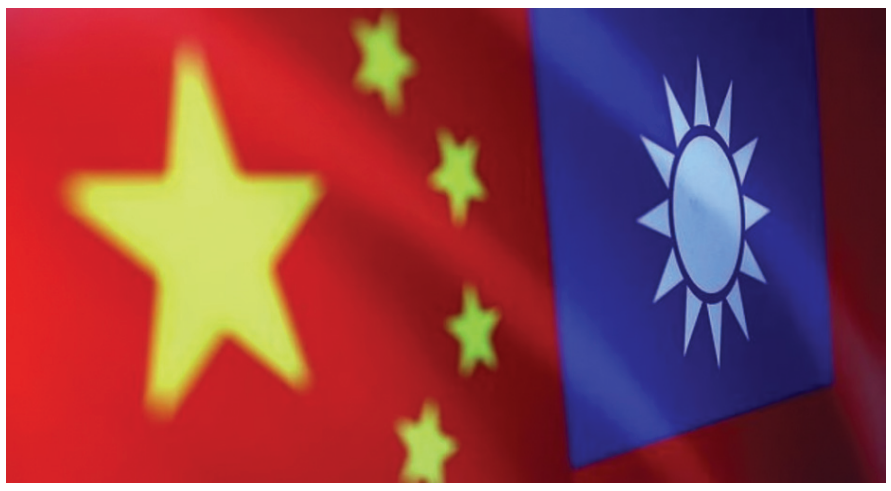

statement said, adding that "China does not enjoy any sovereign rights in the waters east of Taiwan".Tokyo and Manila said last month they would start formal talks "to delimit the maritime boundary" of an economic zone and continental shelf between them, angering Beijing.On Saturday, Beijing's transport ministry organised maritime police from coastal provinces Fujian and Guangdong to "conduct a special maritime traffic law enforcement operation in waters east of Taiwan Island", state news agency Xinhua said.The report did not give details on the operation, including how long it lasted or whether it was still ongoing, and it did not say whether maritime police dispatched ships to the area.The operation was "a necessary action taken against Japan and the Philippines' unilateral announcement they would start 'negotiations on delimiting a maritime boundary'" near Taiwan, Xinhua added.Taiwan said Wednesday it should be consulted on the Japan-Philippines talks.Manila and Tokyo's shared grievances over Chinese maritime territorial claims have seen them draw increasingly close in recent years.Japan and China are in territorial and economic disputes in the East China Sea, where coast guard ships from both sides routinely stage tense standoffs.

Beijing has meanwhile deployed navy and coast guard vessels in the South China Sea, in a bid to bar the Philippines from strategically important reefs and islands, leading to a string of confrontations.

Taiwan's coast guard said Saturday that a Chinese survey vessel had joined a coast guard ship in waters around Pratas Island in the northern part of the South China Sea.

The Taiwanese coast guard said it was "the first observed instance of Chinese coast guard and survey vessels acting in coordination to provoke Taiwan".

Pope Leo XIV urges Spain to stop fanning flames of polarization on first papal visit in 15 years

- Leo's visit signals a return of papal attention to Europe's Christian roots after Pope Francis largely stayed away from the traditional centers of Christianity in favor of smaller Catholic communities farther away.

MADRID. (Agency)

Pope Leo XIV urged Spaniards on Saturday to stop "fanning the flames of polarization" as he arrived in Spain at a moment of political turmoil for the Socialist-led government and a credibility crisis for the Catholic Church.The American pontiff traveled to Spain dozens of times as a priest, but this is the first visit here by a pope in 15 years. And Spaniards turned out in droves to welcome Leo, with an estimated 500,000 people — many of them young — cheering "This is the youth of the pope" at a raucous evening prayer vigil in Plaza de Lima in Madrid, where Leo was treated to a rock star's welcome.Leo's visit signals a return of papal attention to Europe's Christian roots after Pope Francis largely stayed away from the traditional centers of Christianity in favor of smaller Catholic communities farther away.Leo is seemingly keen to bring his message of peace, unity and human dignity to a continent sorely



polarized over migration, the Russia-Ukraine war and anxiety over artificial intelligence.The pope, known as León XIV in Spanish, opened his weeklong trip in Madrid, greeted at the airport by the country's Catholic monarchs, King Felipe VI and Queen Letizia, and Prime Minister Pedro Sánchez. He told reporters, while traveling, that he was particularly heartened by reports of a spiritual awakening among young people in the once-staunchly Catholic but now secularized country.

During his welcome address, Leo appealed to Spaniards, especially political leaders, to put polemics aside and invest in educating young people to appreciate diversity and complexity rather than shunning them.

"Today, the temptation to gain popularity by fanning the flames of polarization seems to have grown rather than diminished, and human dignity continues to be violated," Leo said.He appealed to Spain's place at the heart of Christian Europe to serve as a model for the rest of the continent, while also recalling the country's 800-year Moorish past, when cities like Toledo and Córdoba became, he said, "centers of dialogue between languages, religions and knowledge."

"For the love of truth, I invite everyone to set aside the divisive and polarizing narratives of your societal reality and history," he said. Doing so will help Europe "overcome sterile simplifications through the fruitful appreciation of complexity."

US downs two Iranian drones over Strait of Hormuz amid renewed tensions

ST. PETERSBURG. (Agency)

The United States military said it had intercepted and destroyed two Iranian attack drones over the Strait of Hormuz, describing them as an immediate threat to commercial shipping in the strategically vital waterway.In a statement posted on X late on Saturday, the US Central Command (CENTCOM) said the drones were neutralised as tensions escalated sharply in West Asia, a day after Iran reportedly launched missiles and drones towards Gulf neighbours, including Kuwait and Bahrain."Earlier today, US forces in the Middle East shot down two Iranian one-way attack drones that threatened international maritime traffic in the Strait of Hormuz," US Central Command announced on its X account.The command added that "erican forces remain postured and ready to continue defending against Iranian aggression."

The interception marks the latest flashpoint in a widening military confrontation between Washington and Tehran, raising concerns over the stability of an already fragile ceasefire arrangement in the region.

The latest escalation followed US strikes early on Saturday on Iranian coastal radar facilities in Goruk and Qeshm Island near the Strait of Hormuz.

CENTCOM said the operation was carried out after Iranian drones were earlier intercepted over maritime routes considered critical to global shipping.

Iran subsequently launched missiles towards US military facilities in Kuwait and Bahrain in what it described as retaliatory action.Kuwaiti authorities said seven ballistic missiles crossed populated areas, causing structural damage but no casualties. In Bahrain, officials activated emergency sirens and advised residents to take shelter.Iran's Revolutionary Guard claimed responsibility for the strikes, asserting that American military installations in both Gulf countries had been successfully targeted.The US military, however, said six incoming missiles were intercepted by regional air defence systems, while another failed to reach its target.

Despite the military exchanges, diplomatic channels remained open.Pakistan continued mediation efforts, with Interior Minister Mohsin Naqvi arriving in Tehran on Saturday carrying what Iranian media described as a special message from Pakistan's political and military leadership to Iran's Supreme Leader, Mojtaba Khamenei.Diplomatic negotiations, however, appeared to have slowed amid Tehran's demands for access to frozen assets, relief from sanctions affecting oil exports and ports, and greater leverage over maritime routes through the Strait of Hormuz.An adviser to Iran's supreme leader had earlier indicated that the release of $24 billion in Iranian assets frozen by the United States remained central to any peace arrangement.

North Korea nuclear programme 'absolutely non-negotiable': leader's sister

SEOUL:(Agency)

North Korea's nuclear weapons programme is "absolutely non-negotiable", the powerful sister of leader Kim Jong Un said in a statement carried by state media on Sunday, ahead of a visit by Chinese President Xi Jinping.Pyongyang has long insisted on its right to a nuclear weapon and ballistic missile programmes although they are forbidden under the terms of UN Security Council sanctions. It enshrined its nuclear status in its constitution in 2023."Our status as a nuclear power is absolutely non-negotiable," Kim's sister Kim Yo Jong said in a statement published by North Korea's official Rodong Sinmun, adding that the North "will not tolerate any threats".A key player in the country's communications and foreign policy, Kim Yo Jong's statement came on the eve of Xi's visit to North Korea, scheduled to take place from Monday to Tuesday, according to state media.

Beijing is a vital source of political and economic support to North Korea, which is one of the most diplomatically isolated countries in the world and under heavy international sanctions.

Xi's upcoming visit to Pyongyang would be his first in seven years, and comes after he hosted back-to-back summits with US President Donald Trump and Russia's Vladimir Putin last month.

Pyongyang has repeatedly declared itself an "irreversible" nuclear state since Kim Jong Un's 2019 summit with Trump collapsed over the scope of denuclearisation and sanctions relief.

North Korea's leader has since been emboldened by the war in Ukraine, securing critical support from Moscow after sending thousands of troops to fight alongside Russian forces.

He inspected a major munitions factory at the weekend and called for it to boost production capacity, according to a separate report by the official Korean Central News Agency (KCNA) on Sunday.This was "in order to supply enough quantity of missiles", KCNA quoted him as saying.False informationKim Yo Jong, in her statement, went on to slam Washington over its comments that the goal of North Korea's denuclearisation had been reaffirmed during last month's summit between Donald Trump and Xi Jinping in Beijing.The White House posted a fact sheet following the summit stating that "President Trump and President Xi confirmed their shared goal to denuclearize North Korea", which Kim Yo Jong said was false."Some officials in the United States still have yet to awaken from their escapist and anachronistic dream," she said."This is nothing more than Washington's habitual dissemination of false information."

Israel's permanent state of war comes with economic, social costs

JERUSALEM. (Agency)

The enormous costs of Israel's multi-front war and Prime Minister Benjamin Netanyahu's determination to turn his country into a "super-Sparta" of the Middle East are driving up the defence budget and raising fears of cutbacks in education and healthcare.The total cost of the series of interconnected regional conflicts that began with Hamas's attack on Israel on October 7, 2023 stood at 405 billion shekels ($138 billion) as of late April, according to the governor of the Bank of Israel, Amir Yaron."That's a huge figure, more than 17 percent of GDP," he said during a recent economic conference in Herzliya, north of Tel Aviv.Just the military campaign against Iran, which began with a wave of US-Israeli strikes on February 28, incurred an additional cost of 35 billion shekels ($12 billion) for the state up until a ceasefire took effect on April 8, according to an initial estimate by the finance ministry.Following the adoption of the 2026 budget in late March, the government noted the defence ministry's budget had more than doubled since October 2023.To support the war effort, the government borrowed heavily on international markets in 2024 and 2025.It has reached the point where public debt now accounts for more than 69 percent of GDP, compared to 60 percent before the war, according to the Treasury.

Taxes and social security contributions have also increased.'Trauma economy'Israelis are "paying twice" for the war, said Esteban Klor, an economics professor at Jerusalem's Hebrew University.The first cost, he told AFP, is via the decline in government social spending and reduced investment in public services resulting from several successive "across-the-board" budget cuts, even as "we are... increasing the debt".Education will suffer, the quality of infrastructure will decline, as will the performance of the healthcare system," he said.The second cost is to economic growth, though this has been less visible as the Israeli economy quickly overcame the initial shock of the war. GDP had returned to its 2022 level by 2024 and is continuing to grow at an enviable rate.

But the ongoing mobilisation of tens of



thousands of reservists since October 2023 is also taking a toll.Since... many of our workers are in the army rather than at their jobs, this affects production," Klor explained.According to a survey published on June 1 by the Israel Democracy Institute (IDI) think tank, 31 percent of respondents said they had experienced a decline in their wages or income since October 7, 2023.

The phenomenon is hitting the self-employed and lowest-income workers the hardest.At the Herzliya conference, the deputy head of budgets at the finance ministry, Tamar Levy-Boneh, warned against a "trauma economy" -- in which the sense of shock and failure from October 7 lead the military to constantly demand more funding to ensure the country's security."The security establishment must learn to meet its needs in a way that does not undermine the standard of living and must assume its share of responsibility," Levy-Boneh said.

'Super-Sparta'

But Netanyahu advocates the opposite view.In September 2025, he said Israel had no choice but to become a "super-Sparta", a reference to the ancient Greek city-state devoted entirely to war.

NEWS BOX

Undesirable to undeniable: Shreyas Iyer's T20I remontada complete with India captaincy

New Delhi,. (Agency)

3rd December 2023. This was the date that Shreyas Iyer last played a T20I game for India. On that day in Bengaluru against Australia, the Mumbai batter scored 53 off 37 balls with a strike-rate of 143.24. He was in the squad for the New Zealand series just before the T20 World Cup 2026, but couldn't find a spot for the tournament.All of this would paint a grim picture for the 31-year-old when it comes to future selections with India touring Ireland and England in June and July. But the entire dynamic has changed and Shreyas looks all set to return to the team. And not just as a squad member as the skipper of the Indian team in the shortest format of the game.Sources told India Today that Shreyas will replace his Mumbai teammate Suryakumar Yadav to usher in a new era for the Indian team post the T20 World Cup success. And now, the prophecy has become a reality with Shreyas being given the role."Shreyas absolutely deserves it. With the bat. Also his performances as captain, having won it once at KKR, couple of really good seasons with PBKS. It was unusual he wasn't part of the T20I squad, but now that he's



found a spot, he has earned it," said Agarkar.Ricky Ponting, who worked closely with Shreyas, detailed why he thought the 31-year-old was going to be India captain one day in T20Is.Pointing out to his maturity as a batter and player, the former Aussie skipper's prediction has now become a reality.

"There's a reason I spent as much money at the auction as I did a couple of years ago (on Iyer). He's a ripping guy, very mature player now, very mature leader. More often than not keeps his emotions in check on the field. The respect he has from his players is second to none.""The moment he stands in front of the group and speaks, not a single eye ball leaves a single word he says."

Alexander Zverev looks to break Slam curse, but Flavio Cobolli aims to spoil the party

FIFA World Cup, Group E preview: Germany may headline Group E, but Ecuador and Ivory Coast have the quality and belief to upset the established order. With World Cup debutants Curacao eager to make history, this promises to be one of the tournament's most competitive and unpredictable groups.

New Delhi,. (Agency)

Alexander Zverev steps onto Court Philippe-Chatrier for the 2026 French Open men's singles final carrying both opportunity and expectation. For the German star, this is familiar territory, his fourth Grand Slam final, but the stakes are higher than ever as he chases the elusive major title that has so far slipped through his grasp.

Standing across the net will be Italy's Flavio Cobolli, the 10th seed, who has already enjoyed a breakthrough fortnight in Paris. Having reached his maiden Grand Slam final, the Italian now has the chance to cap a dream run by denying Zverev his long-awaited coronation.Zverev booked his place in the final with a 7-5, 6-2, 3-6, 6-3 victory over Jakub Mensik in the semi-finals. The world No. 3 has dropped just two sets throughout the tournament and has looked particularly dominant behind his serve. While several top contenders exited early, Zverev has taken full advantage, displaying the composure and consistency expected of a title favourite.Cobolli's path to the final took an unusual turn when fellow Italian Matteo Arnaldi withdrew from their semi-final due to illness, sending him through without taking the court. Nevertheless, the 24-year-old has been one of the standout performers of the tournament, producing a series of impressive displays to become one of the surprise stories of this year's Roland Garros.



FOURTH TIME LUCKY FOR ZVEREV?

This final represents another defining moment in Alexander Zverev's career. The German has previously reached three Grand Slam finals, the 2020 US Open, the 2024 French Open, and the 2025 Australian Open, but is still searching for his first major title.

At 29, Zverev is no longer regarded as an emerging talent but as one of the sport's established stars, with a Grand Slam trophy remaining the biggest omission from an otherwise impressive resume. His run to the final has been built on consistency and composure.

Throughout the tournament, Zverev has displayed a stronger mental edge, particularly in pressure situations and tight sets. Against Jakub Mensik in the semi-final, he responded well after surrendering the third set, regaining control to close out the match in four sets and underline his ability to handle momentum shifts.Clay remains Zverev's strongest surface. His powerful first serve and penetrating groundstrokes allow him to control rallies from the baseline, while his extensive experience in best-of-five-set matches provides an advantage over first-time Grand Slam finalist Flavio Cobolli.Yet the mental challenge cannot be ignored. Having fallen short in all three of his previous major finals, Zverev will once again have to overcome the pressure that comes with competing for a long-awaited maiden Grand Slam crown.

COBOLLI'S CHANCE TO SPOIL THE NARRATIVE

Cobolli enters the final without pressure but with ambition. The Italian has already exceeded expectations by reaching his first major final, and his fearless style has made him one of the tournament's most exciting players. His aggressive shot-making and willingness to take risks have troubled higher-ranked opponents throughout the event.

Back-to-back IPL titles, 0 caps: Rajat Patidar might never play T20Is for India

At 33, Rajat Patidar led RCB to back-to-back IPL titles, yet was ignored for India's T20I reset. It explores the brutal bias of potential over maturity and his stoic, immortal legacy.

MIAMI. (Agency)

When the Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced its new-and-improved T20I squad for the fresh two-year cycle, they didn't just unveil a roadmap for the future. They quietly shut the door on one of the most remarkable redemption stories in the modern game. In drawing a firm line between franchise loyalty and international transition, the selectors effectively ensured that Rajat Patidar might never play a T20 International for India.The headline is as jarring as it is cruel: consecutive IPL crowns, zero international caps.

THE CORPORATE TRAP

At 33 years old, Patidar has run directly into a structural bias that exists far beyond the cricket boundary. In any typical corporate



setup, organisations naturally gravitate towards younger individuals. Youth is equated with runway; it represents potential, a long-term asset that can be moulded, and a higher return on investment over time.But in prioritising the horizon, organisations often overlook what the veteran brings to the table: immediate maturity, hard-earned experience, and a fully realised, unflappable skillset.Indian cricket is currently brimming with that exact brand of hyper-youthful talent. Every single season of the IPL unearths a new prodigy, each one younger and flashier than the last—personified perfectly by the selection of 15-year-old Vaibhav Sooryavanshi. Yet, this abundance has created a hyper-saturated ecosystem.

Much like how India views the Indian Institutes of Technology (IITs) as the absolute pinnacle of academic scarcity, the Indian senior cricket team has become an elite, nearly impenetrable fortress. There is a staggering surplus of world-class talent within the country who would comfortably walk into the starting eleven of almost any other cricketing nation on earth. In India, it doesn't even guarantee you a ticket to Dublin.

BCCI requests Vaibhav Sooryavanshi's parents to travel with Team India on overseas tours

Paris. (Agency)

The Board of Control for Cricket in India (BCCI) has requested Vaibhav Sooryavanshi's parents to travel with the 15-year-old on India's tours to Sri Lanka and the United Kingdom. The board's request comes right after the national selectors called up Vaibhav to the T20I team.

The BCCI made special provisions for young Vaibhav, who will be assimilating into an adult squad for the first time in his career. The youngster could become the youngest debutant ever for India, surpassing the record held by Sachin Tendulkar, who made his debut at 16 years and 207 days.Speaking to Hindustan Times, BCCI secretary Devajit Saikia said that while the board does not usually allow parents to accompany players on tours, special permission was given to Vaibhav and his family as India try to bring a special talent into the national fold."He was selected to go with the senior team from the India A team to Sri Lanka.



As he is a small child, he is still a minor. When he is travelling with the men's team, who are all adults, therefore, we deem it proper that his parents or anybody from the family can travel with him to Sri Lanka," Saikia said.

"We will make a request to his parents. If they are willing to go, then they can go. In fact, his father is travelling to Sri Lanka tomorrow. That is our thinking. And after that, if his parents also wish to go to England, BCCI will support that because he is a kid. So, he would need some time to assimilate with the senior boys. So, from that perspective, we are helping. This is not something we allow all parents to do. It is not that, but because he is 15 years old, he should feel comfortable, and he should take some time to adjust to the adult world," the BCCI secretary added.

Shubman Gill advised to focus on WTC and ODI World Cup to avoid burnout



New Delhi. (Agency)

The selection committee has asked Test and ODI captain Shubman Gill to prioritise red-ball and 50-over cricket through the 2027 ODI World Cup cycle, despite a fine 2026 IPL, so that he remains fresh for big assignments ahead.On Saturday, T20 squads were announced for the UK Tour and Asian Games and the stylish Indian Test skipper wasn't considered because he has two major ICC assignments on hand in a choc-a-bloc calendar.Gill scored 732 runs in the just-concluded IPL at a healthy strike-rate of 163 plus -- his best over the seasons -- but with Sanju Samson, Abhishek Sharma, Ishan Kishan and Vaibhav Sooryavanshi in the squad, it is difficult to slot in another quality top order batter."The selectors are concerned that there shoudn't be a burn-out case with Gill.The kind of calendar that Indian cricket team has for next 18 months, it is virtually impossible to remain fresh if one plays three formats.Gill has to lead India in nine WTC Tests and also play around 35 odd ODIs before the start of 2027 World Cup," a BCCI source privy to developments told ."The communication is clear that he needs to be fit for these two ICC assignments. Plus he will play the IPL where he leads Gujarat Titans," the source added.While Gill is not in the T20 scheme of things as of now, he is expected to bounce back into contention before the start of the 2028 Los Angeles Olympics or the T20 World Cup in Australia."There is still a lot of time left for the two marquee T20 events in 2028. For Gill, the focus is on immediate future. Two years from now, no one knows which player will be in what kind of form and fitness. So this is the pla till 2027 ODI World Cup," he added.

Mirra Andreeva channels inner Roger Federer, flips switch to French Open glory

New Delhi (Agency)

Mirra Andreeva wasn't herself on Saturday. The version of Andreeva fans have come to know in her early career often looked short of the emotional control required to consistently win at Grand Slam level.

As a teenager breaking through on the tour, she would occasionally let frustration spill over when matches started slipping out of her control. Small dips in momentum often triggered visible irritation, whether through body language, rushed decision-making, or moments of audible self-criticism between points.Earlier this year in Indian Wells, she smashed a racket and directed frustration towards the crowd during a third-round exit. She was also in tears after losing the Madrid Open final to Marta Kostyuk just weeks later.But the Mirra Andreeva who stepped onto Centre Court against Maja Chwalinska was different. She was composed, almost unshakable, staying calm even when momentum threatened to swing away from her. Nothing seemed to disturb her rhythm or clarity.She was calm and composed, as if in a meditative state, showing no signs of panic even when Chwalinska broke her serve thrice. On the big day, it almost felt like Roger Federer had taken over the court



through Mirra Andreeva, an embodiment of his trademark serenity under pressure.

And why not? Mirra was, in a way, trying to emulate her idol. The result: a maiden Grand Slam title.

THE FEDERER INSPIRATION

Federer is remembered for his calm, composed, ice-cool presence on court, especially in high-pressure moments. Early in his career, however, he admitted to being more emotional, occasionally losing control, throwing racquets, and showing visible frustration during matches.

Over time, he worked on refining his temperament and learned to channel those emotions in a more controlled and productive way. For Mirra, Federer has always been an inspiration. Watching his composure under pressure reinforced the belief that a steady mindset can matter as much as technical skill in achieving success."I watched a lot of Roger's matches here. Obviously I'm never going to have the same aura – no one's going to have the same aura, but I wanted to try to impersonate the way he behaves a little on court, because I love watching how he used to play," Mirra said after the match.Federer himself has described his mental approach as a balance between fire and ice: the fire being his desire to win, and the ice being his ability to accept mistakes and stay composed under pressure. At Roland Garros, Mirra carried that same duality, fire in her heart to finally taste Grand Slam success.

India outclass Bangladesh to win SAFF Women's Championship after seven years

India defeated Bangladesh 3-1 in the SAFF Women's Championship final to clinch a record-extending sixth title, ending a seven-year wait and completing an unbeaten campaign.

Margao. (Agency)

India clinched the SAFF Women's Championship title for the sixth time after defeating defending champions Bangladesh 3-1 in the final on Saturday, ending a seven-year wait for the regional crown.

Goals from Pyari Xaxa, Sanfida Nongrum and Lynda Kom Serto helped the hosts cap off a dominant campaign in style. Bangladesh's Ritu Porna Chakma scored the only goal India conceded throughout the tournament, but it proved little more than a consolation as the hosts reclaimed the trophy they last won in 2019.The triumph marked India's first SAFF Women's Championship title since 2019 after they had failed to reach the final in the previous two editions. Bangladesh had emerged champions in both 2022 and 2024, but there was to be no hat-trick of titles as India produced a commanding performance in front of their home supporters.India finished the tournament with a perfect record, winning all their matches, scoring 18 goals and conceding just once.

INDIA DOMINATE EARLY EXCHANGES

The final brought together the region's two strongest sides, with India looking to reclaim their place at the top of South Asian women's football and Bangladesh aiming to defend their title.Manisha Kalyan was handed her first start of the tournament as India sought to impose themselves from the outset. The hosts controlled possession during the opening stages and fashioned the better opportunities.Sanfida Nongrum was the first



to threaten, firing over from a difficult angle, before Astam Oraon squandered a golden chance in the 16th minute after Bangladesh goalkeeper Mile Akter failed to deal with a long ball from Nirmala Devi Phanjoubam.

Bangladesh remained dangerous on the counter and nearly found the breakthrough when Ritu Porna Chakma curled a corner directly towards goal, only for the ball to drift narrowly over the crossbar.

India continued to push forward and were denied again when Mile Akter produced a fine save to keep out Manisha Kalyan's powerful half-volley.PYARI STRIKES AS FINAL BURSTS INTO LIFE

The breakthrough finally arrived in the 42nd minute through Pyari Xaxa.

The forward showed excellent footwork inside the penalty area before getting a shot away. A deflection off Bangladesh defender Surovi Akter looped over Mile Akter and into the net, giving India a deserved lead.However, the advantage lasted only a few minutes.

Deep into first-half stoppage time, Bangladesh struck back through Ritu Porna Chakma. The forward found space down the left flank and drilled a low effort beyond goalkeeper Panthoi Chanu Elangbam to level the scores and hand India their first conceded goal of the tournament.

Dia Mirza

Says Parents' Split Made Her Responsible: 'My Father Had A Strong Point Of View'



Dia Mirza has long been among the few actors who have consistently used their public platform to speak about environmental protection, wildlife conservation and conscious living. But for Dia, this connection with nature was not something she discovered after fame. It was shaped early in life by her family, her childhood surroundings and the values she inherited at home.During a conversation with Soha Ali Khan on her podcast, Dia opened up about her parents' separation, the ethical choices that defined her father, and how those early experiences made her more responsible.

Dia Mirza On How Her Parents' Separation Shaped Her



Dia recalled that one of the reasons her parents separated was because her father had a firm moral compass when it came to the kind of work he was willing to accept.She said, "One of the reasons why my parents separated was because my father had such a strong point of view about the projects that he would take on."

The Rehnaa Hai Terre Dil Mein actress shared that her father, who was an industrial fair designer, once refused a lucrative project after learning that the factory he had been asked to design was releasing effluents into a nearby river. Even though the family needed the money, he chose not to take it up.

Dia recalled, "I remember one of the most loud fights between my parents was about this, and he said, 'No, I won't do it.' And my mom was like, 'Who's going to pay the bills? I mean, we've got to pay for her school. There's all this expense, and we don't have the luxury to say no.' He said, 'No, we but we always have a choice.'"

Dia Mirza's Childhood Connection With Nature

Dia also spoke about how her love for the environment began in childhood. She remembered spending much of her early years outdoors with her adoptive father, going sailing, trekking and exploring the natural world around her.Growing up in a home surrounded by mango, guava and chiku trees, Dia said she developed a deep appreciation for nature very early in life. Those experiences later became closely tied to her work as an environmental advocate.

Dia Mirza On Taking A Sabbatical At 24

During the conversation, Dia also opened up about a turning point in her career when professional success no longer felt fulfilling. At the age of 24, she decided to step away from work and take a two-year sabbatical.

Taapsee Pannu

Returns To Social Media After A Year, Reveals Pressure To Stay Visible Online



For many celebrities today, social media is as much a part of the job as film promotions and public appearances. But actor Taapsee Pannu recently found herself stepping away from the constant online hustle, choosing instead to focus on life beyond the screen. Now, after spending close to a year keeping a low profile on social media, she has returned to digital platforms, though not without mixed feelings about the expectations that come with it.The actor recently reconnected with followers by asking them what kind of content they would like to see from her. Speaking to HTCity, Taapsee revealed that her decision to become less active online began sometime last year and was driven entirely by personal reasons.

"I did not announce that I would go slow on social media, this was something I did for myself unlike my work. The detox was because of multiple reasons. It felt like you are always in the race of starting trends or participating in trends. It was exhausting. I wanted to live my life and not constantly check social media," Pannu tells us.To make the break easier, she removed social media applications from her phone and only checked them occasionally through her iPad.



"I would use it once in three days or less. I started enjoying living real life and it became addictive. Actors are also told not to expose themselves too much. Otherwise, why would people come to theatres to watch you? That logic made sense to me," she says.

According to Taapsee, reducing her online presence also helped her reclaim time that she felt was being lost to the demands of maintaining a digital profile. She noted that the change led to frequent questions from people around her.

"I felt like my day started evaporating. The questions that followed were of all sorts- you have not been around are you okay, where have you vanished. The questions were to an extent that your feed only looks about movies and brands, why aren't you posting?"However, staying away from social media also came with professional consequences. The actor said she was repeatedly told that brands increasingly prefer celebrities who are highly active online.

Akshay Kumar Shows Off His 'Horsepower' To Rajpal Yadav In Hilarious Welcome To The Jungle BTS Clip



Akshay Kumar has once again raised excitement for his upcoming comedy entertainer, Welcome To The Jungle, by sharing a fun behind-the-scenes moment with co-star Rajpal Yadav. The actor took to social media to post a clip from the sets, giving fans a glimpse of the madness that awaits them in the much-anticipated film.

Taking to his Instagram handle, Akshay Kumar shared the BTS video in which he is seen teasing Rajpal Yadav. "It was fun showing off my horsepower to @rajpalofficial Welcome To The Jungle is more junglee than you can imagine!! See you in cinemas on 26th June, 2026!" read the caption. One of the fans wrote, "Akshay we proud of you you always down to earth sir." Another wrote, "Nothing, just Akshay Kumar things."

Directed by Ahmed Khan, Welcome to the Jungle boasts a massive ensemble cast of over 30 actors, each a benchmark of talent and known for their excellent comic timing—a combination that is a rare sight on the big screen. Akshay Kumar, Suniel Shetty, Jackie Shroff, Raveena Tandon, Disha Patani, Jacqueline Fernandez, Arshad Warsi, Paresh Rawal, Rajpal Yadav, Johnny Lever, Aftab Shivdasani, Lara Dutta, Shreyas Talpade, Tusshar Kapoor, Daler Mehndi, Farida Jalal, Krishna Abhishek, Kiku Sharda, Kiran Kumar, Mukesh Tiwari, Yashpal Sharma, Vindu Dara Singh, Nawab Shah, Urvashi Rautela, Puneet Issar, Arjun Firoz Khan, late Pankaj Dheer, Sudesh Berry, Hemant Pandey, Zakir Hussain, Sayaji Shinde, and many more all come together to deliver an epic entertainer.

AA Nadiadwala and Star Studios present, in association with Cape of Good Films and Seeta Films, Welcome to the Jungle. It is a Base Industries Group and Seeta Films production and is directed by Ahmed Khan. The film is all set to hit theatres worldwide on 26th June 2026.News18 Showsha recently spoke to the movie's director, Ahmed Khan, about the film. When asked why the original cast was not retained, Khan shared, "So the thought was very different. If you see Welcome, it is a film that is regularly made, and there is nothing like a similar cast.

Did Agent Vinod Flop Because Of Saif Ali Khan And Kareena Kapoor? Co-Star Makes Shocking Claims



Saif Ali Khan and Kareena Kapoor are one of the most loved couples in town. They never fail to dish out major couple goals with their adorable chemistry, candid moments, and heartwarming family pictures. Before tying the knot in 2012, the duo dated for several years and shared screen space in films such as Agent Vinod, Kurbaan, Omkara, and Tashan. However, Agent Vinod, directed by Sriram Raghavan, failed to make an impact at the box office. In a recent interview, their co-star Lalit Parimoo claimed that Saif and Kareena were the reason behind the film's underwhelming box office performance.

In an interview with Siddharth Kannan, Lalit Parimoo claimed that Saif Ali Khan and Kareena Kapoor's interference contributed to Agent Vinod's failure at the box office. When the senior actor was asked the reason why Agent Vinod did not work, he took the power couple's names. He said, "I think the main reason was that there was too much interference from the stars – Saif and Kareena. The way Sriram wanted to make that film, he couldn't make it that way. He was constantly being told what he should do, so it became a mess. The writing and the direction team… They didn't get to present what they wanted. That was the flaw of the film."

Lalit Parimoo shares a long-standing professional relationship with Sriram Raghavan, having collaborated with him since their television days in the 1990s. He further stated that filmmaking is ultimately a director's medium and that those involved should trust and follow the director's vision. He added, "Film is a director's medium, so if the director has vision, people should just follow that. And if the director has cast any actor, they should only take the actor's suggestions if they are valid. If the actor is suggesting something because they are a star, then it means nothing. These kind of adjustments ruin the film."When asked whether Sriram had ever spoken to him about the challenges he faced during the making of the film, Lalit said that the filmmaker had not gone into detail about his ordeal. However, he recalled Raghavan mentioning the interference he encountered during the project.